कांग्रेस ने बंगाल को उसके.. 02

# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कावला गाने में अपने काम से.. 11

वर्ष - 02, अंक - 80 | गाजियाबाद / मंगलवार 23 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए


संक्षिप्त समाचार

## ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर का इस्तीफा

- कहा-पार्टी को नहीं लगता मैं अगला चुनाव जिता सकता हूं

**लंदन (एजेंसी)।** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था।

हाल के महीनों में कई सांसदों और मंत्रियों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन और गिरती लोकप्रियता ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ा दिया था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन है। 17 जुलाई तक ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिलेगा स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी जुलाई के मध्य तक अपना नया नेता चुन लेगी। नए नेता और प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी को पूरा सहयोग देंगे। स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह ब्रिटेन के किंग चार्ल्सको अपने फैसले की जानकारी दे दी। अब लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति नए नेता के चुनाव का कार्यक्रम तय करेगी। इसके तहत 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 17 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले नए नेता का चुनाव पूरा करने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटेन में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। लोग अपने-अपने क्षेत्र से सांसद चुनते हैं। जिस पार्टी के पास संसद में बहुमत होता है, उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है। अभी लेबर पार्टी की सरकार है।

## राजस्थान बॉर्डर पर मस्जिद-मदरसों पर चला बुलडोजर

- वक्फ बोर्ड ने संपत्तियों को बचाने के लिए चली नई चाल

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान में बुलडोजर एक्शन और धार्मिक स्थलों को मिल रहे नोटिसों के बीच एक नया और बेहद दिलचस्प राजनीतिक व कानूनी एंगल सामने आया है। जयपुर में हाल ही में भारी विरोध के बावजूद 'नूरानी मस्जिद' को अवैध निर्माण बताकर जमींदोज किए जाने की घटना ने अल्पसंख्यक समुदाय और वक्फ बोर्ड को अलर्ट मोड पर ला दिया है। जयपुर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे जिलों में हुई इस तरह की डेमोलिशन की कार्रवाइयों के बाद, राजस्थान वक्फ बोर्ड ने अब एक नया और हाईटेक डिफेंस मैकेनिज्म तैयार किया है। वक्फ बोर्ड के चेयरमैन खानू खान बुधवाली ने प्रदेश भर की मस्जिद कमेटियों को सरकार और प्रशासन के कानूनी दांव-पेचों से निपटने के लिए एक

अनोखी गाइडलाइन जारी की है। अब राजस्थान की मस्जिदों और मदरसों की सुरक्षा सिर्फ दुआओं के भरोसे नहीं होगी, बल्कि वहां सीसीटीवी कैमरों का कड़ा पहरा होगा और वकीलों की एक पूरी फौज तैनात रहेगी।

### नूरानी मस्जिद जैसा ऐक्शन रोकने की शुरू की है तैयारी

वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ने रणनीति तैयार की है। बुधवाली ने सभी मस्जिद प्रबंधन कमेटियों को आदेश दिया है कि वे मस्जिदों के बाहर तुरंत सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करें। इसके पीछे का तर्क भी काफी दिलचस्प है। सीमावर्ती इलाकों में हुई कार्रवाइयों का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन कई बार बैकडेट में नोटिस जारी कर देता है या फिर ऐसी टाइमिंग पर कार्रवाई करता है जब पीड़ित पक्ष को कोर्ट से कानूनी राहत लेने का वक्त ही न मिले।

# भारत में घुसपैठ कराने की बांग्लादेश की नापाक चाल

### लाठी लेकर पहुंचे सैकड़ों बांग्लादेशी, सीमा पर भारी तनाव

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश-भारत सीमा पर तनाव बढ़ गया है। शनिवार को बांग्लादेश की तरफ से भारत में घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये अवैध घुसपैठिए थे जिन्हें भारतीय सुरक्षा बलों ने बांग्लादेश में भेज दिया था। बांग्लादेश ने इन लोगों को अपने इलाके में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बाद में बांग्लादेश के सीमा रक्षा बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' ने इन लोगों पर भारत में वापस जाने के लिए दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 20 लोगों ने भारत में घुसने की कोशिश की, जिसे बीएसएफ ने वापस खदेड़ दिया। इसके बाद यह समूह फिर बांग्लादेश की तरफ जमा हुआ। इस बार उनके पीछे लगभग 1000 लोग थे, जिन्होंने अपने हाथों में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे थे। इससे सीमा पर तनाव की स्थिति बन गई। हालांकि, यह समूह कुछ समय के बाद वापस लौट गया। हाल के दिनों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने भारत से भेजे गए अवैध बांग्लादेशियों को वापस भारतीय सीमा में धकेलने की कोशिश की है, जिसके चलते बीएसएफ और बीजीबी के बीच टकराव बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को बांग्लादेश की तरफ बॉर्डर के पास लाठियों से लैस सैकड़ों लोग जमा हो गए।

## बांग्लादेशी घुसपैठियों की वापसी का विरोध

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अवैध बांग्लादेशियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की कोशिश में तेजी आई है। बांग्लादेश की सरकार ने इन कोशिशों पर आपत्ति जताई है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने इनका विरोध किया है। बांग्लादेश ने कहा है कि किसी भी तरह की वापसी तय प्रक्रियाओं के अनुसार ही होनी चाहिए। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने हाल ही में संसद को बताया कि 5 अगस्त 2024 से अब तक 2369 लोगों को भारत से बांग्लादेश में भेजा जा चुका है। इस दौरान बीएसएफ ने 183 लोगों को वापस भेजा है। ह्मयूमन राइट वॉच की 16 जून को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 1 जून से 2026 से बीजीबी ने भारतीय सुरक्षा बलों की 21 कोशिशों को नाकाम किया है, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों को बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में धकेलने की कोशिश की गई थी।

# महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी तेज

- 2029 से पहले लोकसभा-विधानसभा सीटें बढ़ाने का है प्लान

### फिर ऐक्टिव हुई मोदी सरकार, एससी-एसटी कोटे को भी फायदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सरकार ने लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के मकसद से एक नए संविधान संशोधन को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। इस प्रस्ताव पर सरकार के उच्च स्तरों पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। प्रस्तावित कानून, जिसे संविधान (133वां संशोधन) बिल के तौर पर पेश किया जा सकता है, मोटे तौर पर विफल रहे संविधान (131वां संशोधन) बिल पर ही आधारित होगा। लेकिन यह परिसीमन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा, क्योंकि इसमें यह सुझाव दिए जाने की संभावना है कि 1971 की जनगणना पर आधारित मौजूदा अंतर-राज्यीय सीट अनुपात में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, राज्यों के भीतर चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आधार पर फिर से तय की जा सकती हैं।

- **ड्राफ्ट लगभग तैयार, बदलाव भी संभव-** सूत्रों के मुताबिक, ड्राफ्ट काफी हद तक तैयार है और इसमें आर्टिकल 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334ए में बदलाव की मांग की जा सकती है। प्रस्तावित कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में जहां तक संभव और व्यावहारिक हो, एक समान 50 फीसदी बढ़ोतरी का जिक्र भी हो सकता है।

### राज्यों के साथ लेते हुए किया जा रहा काम

सूत्रों का कहना है कि नए ढांचे का मकसद 2029 में इसे लागू करने की समय-सीमा को बनाए रखना है, साथ ही राज्यों की इस चिंता को भी दूर करना है कि प्रतिनिधित्व में उनका हिस्सा बदल सकता है। पता चला है कि इस ड्राफ्ट की रूपरेखा पर कई बैठकें हुई हैं, जिनमें कैबिनेट में हुई बैठक भी शामिल है। हालांकि, सरकार तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक उसे इसे पास कराने के लिए जरूरी संख्या का भरोसा न हो जाए। पहले वाले प्रस्ताव की तरह ही, इस बिल को भी दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्यों की मंजूरी की जरूरत होगी। एक सूत्र ने कहा कि सब कुछ संख्या पर निर्भर करता है जिससे संकेत मिलता है कि सरकार जरूरी समर्थन मिलने का भरोसा होने के बाद ही यह कानून लाएगी।

### एससी-एसटी कोटे का भी प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है

सीटों की संख्या बढ़ने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ सकता है। मौजूदा सोच के अनुसार, लोकसभा में एससी सीटों की संख्या 84 से बढ़कर 136 और एसटी सीटों की संख्या 47 से बढ़कर 70 हो सकती है। आरक्षण को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा।

## बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

**गोपालगंज (एजेंसी)।** बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है। घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना एम्स रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

# लखनऊ की कोचिंग में आग, 15 स्टूडेंट की मौत

### 10 के फंसे होने की आशंका, आग से बचने के लिए बाथरूम में छिपे थे बच्चे

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर हैं। एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म आग बुझाने में लगी है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ भी पहुंची है। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा है, जिसके जरिए शवों को बाहर निकाला जा रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, अभी भी करीब 10 लोग अंदर फंसे हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे हैं। करीब 14 एम्बुलेंस मंगवाई गई हैं।

**सीएम योगी दिए राहत और बचाव कार्य के निर्देश-** मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने व घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए हैं।

## पश्चिमी घाट में बड़ा बदलाव करेगी मोदी सरकार

### 56825 किलोमीटर क्षेत्र को मिलेगी ईएसए सुरक्षा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र की मोदी सरकार 12 साल बाद पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों को पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने

की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों को विशेष पर्यावरणीय सुरक्षा मिलेगी। इसका मतलब है कि ऐसे इलाकों में खनन, बड़ी फैक्ट्रियां, थर्मल पावर प्लांट और कई तरह की औद्योगिक गतिविधियों पर रोक या कड़ी पाबंदी लग जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर सभी राज्य सहमत नहीं हैं। इसी वजह से केंद्र ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सरकार उन राज्यों में ईएसए लागू करने की तैयारी कर रही है जहां इस पर सहमति बन चुकी है या बनने के करीब है। पश्चिमी घाट को भारत की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाओं में से एक माना जाता है।

- **नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं रुकेंगी-** अगर किसी क्षेत्र को ईएसए घोषित कर दिया जाता है तो वहां नए खनन प्रोजेक्ट, खदानें, पत्थर तोड़ने की परियोजनाएं, रेत खनन, सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले रेड-कैटेगरी उद्योग और 20,000 वर्गमीटर या उससे बड़े निर्माण प्रोजेक्ट पर रोक लग जाती है। 2024 में जारी ताजा ड्राफ्ट के मुताबिक केंद्र सरकार 56,825.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ईएसए घोषित करना चाहती है। यह क्षेत्र छह राज्यों में फैला हुआ है।

# बंगाल में आधी हुई मदरसों को मिलने वाली रकम

- महिलाओं को नौकरी में 33 फीसदी आरक्षण का दावा

### सरकारी कर्मचारियों को 38 फीसदी डीए देने का ऐलान

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को भाजपा सरकार का पहला बजट पेश किया। बजट में कहा गया कि सरकार 1 लाख से ज्यादा सरकारी पदों को भरेगी और इसमें महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि 4 लाख 30 हजार करोड़ के बजट में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के समय शुरू हुई सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं (जैसे- अन्नपूर्णा योजना और महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा) को जारी रखा जाएगा। सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, कोलकाता में एक नए एयरपोर्ट बनने की भी घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को पिछली सरकार से 8.15 लाख करोड़ रुपए का कर्ज का बोझ मिला है।

### भाजपा सरकार ने सीएए और जनगणना से जुड़े फैसले लिए

बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आए थे। भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीत कर पहली बार राज्य में सरकार बना ली थी। 9 जनवरी को शुभेंदु अधिकारी ने सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद बीएसएफ को फेंसिंग के लिए जमीन, जनगणना और धर्म आधारित कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कई फैसले लिए।

### बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया है। 19 मई को जारी आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान जन गण मन और कवि गुलाम मुस्तफा की अनंत असीम प्रेममय तुमी (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी।

# 15 दिन बाद अब आगे बढ़ा मानसून, छत्तीसगढ़ में एंट्री

### राजस्थान में ओले गिरे, एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट, तमिलनाडु में बवंडर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा। तमिलनाडु के थूथूकोडी में रविवार को बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन आईएमडी ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। रविवार को मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है।

### गर्मी से जूझ रहे 8 राज्य, विदर्भ में रात में भी लू चल रही

उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में तापमान 40-42 डिग्री के बीच है। तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में भी तापमान इसी रेंज में है। विदर्भ के 8 जिलों में लगातार गर्मी के कारण रातें भी गर्म हो रही हैं। यहां रात में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, उत्तर प्रदेश का बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 42.6 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कानपुर, वाराणसी, बहराइच और प्रयागराज में भी पारा 42 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। राजस्थान के श्रीगंगानगर और हरियाणा के रोहतक में भी पारा 42 डिग्री से ऊपर रहा।

## जोधपुर में 8 प्रसूताओं की ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ी, मचा हड़कंप

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में प्रसूताओं के जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोटा और बीकानेर में सामने आए भयावह मामलों के बाद अब जोधपुर से भी एक ऐसी ही गंभीर घटना सामने आई है, जिसने पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है। जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 8 प्रसूताओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए हैं और मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, इन महिलाओं की 20 जून को पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी कराई गई थी। ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद उनमें संक्रमण से जुड़े लक्षण दिखाई देने लगे, जिसने सबकी चिंता बढ़ा दी। प्रारंभिक आशंका के तौर पर बताया जा रहा है कि इनमें से 6 प्रसूताओं में सेप्टीसीमिया (रक्त संक्रमण) की संभावना है, जबकि दो अन्य महिलाओं की किडनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह स्थिति अस्पताल में अपनाई जा रही स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रक्रियाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। आठ में से दो प्रसूताओं की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उन्हें विशेष उपचार के लिए डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल की आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। अन्य प्रभावित महिलाओं का भी गहन उपचार जारी है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित ऑपरेशन थिएटर को सीज कर दिया है। संक्रमण के स्रोत का पता लगाने के लिए वहाँ उपयोग की गई दवाओं, उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। साथ ही, ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की भी विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

## आप का भाजपा पर हमला : श्री राम की पादुकाएं और माला भी नहीं छोड़ी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर से उनकी पवित्र पादुकाएं और गले का हार चोरी होने के मामले ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि जिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम की खड़ाऊं को राजा भरत ने 14 साल तक सिंहासन पर रखकर राज-काज चलाया था, उन्हीं खड़ाऊं को भाजपा से जुड़े लोगों ने कथित तौर पर चुरा लिया है। आप सांसद सिंह ने अयोध्या में सामने आए कथित घोटालों और चोरियों की श्रृंखला का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इससे पहले दो करोड़ की जमीन 18.5 करोड़ में, तीन करोड़ की जमीन 24 करोड़ में और नौ करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में खरीदने के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, दान पेटी और पवित्र राम शिलाओं की चोरी की घटनाएं भी करोड़ों हिंदुओं को आहत कर चुकी हैं। आप नेता ने इन बेईमान लोगों को चंदा चोर और ईडी पार्टी बताकर कहा कि ऐसी हरकतें करने में इन्हें जरा भी शर्म नहीं आती। उन्होंने कहा कि देश के लोग यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि इन लोगों ने श्री राम की पादुकाएं और उनके गले की माला तक चुरा ली है। संजय सिंह ने गांवों में छोटी-मोटी चोरी करने वालों के सामाजिक बहिष्कार का उदाहरण देकर कहा कि ये चंदे के चोर और बेईमान लोग भगवान राम की खड़ाऊं, मालाएं और पवित्र पत्थर चुरा रहे हैं, जमीन और चढ़ावे से जुड़ी गड़बड़ियां कर रहे हैं। उन्होंने देश की जनता से अपील की कि वे इस और बर्दाश्त न करें, जागें और इन बेईमान लोगों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएं। इसतरह के लोगों को सत्ता में रहने और देश पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं है।

## लोहरदगा : पुलिस इंस्पेक्टर ने उठाई अर्थी, सुलझाया अंधविश्वास का विवाद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के लोहरदगा में पुलिस की मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का अनूठा उदाहरण सामने आया है। जहां थाना प्रभारी नीरज झा ने न सिर्फ दो गांवों के बीच शव के अंतिम संस्कार को लेकर उपजे विवाद को शांत कराया, बल्कि खुद ग्रामीणों के साथ मिलकर शव को कंधा देकर अंतिम संस्कार कराया। यह घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी और पारही डांड़ी टोली के बीच हुई, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर गतिरोध शुरू हुआ। पारही डांड़टोली के ग्रामीण अपने गांव के श्मशान घाट पर शव जलाने की तैयारी कर रहे थे, तभी अलौदी के ग्रामीणों ने यह कहकर विरोध किया कि दूसरे गांव का शव जलाने से उनके गांव में भूत-प्रेत और आत्माओं का प्रकोप बढ़ेगा। अंधविश्वास और गांव की सीमा को लेकर दोनों आदिवासी पक्षों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, इस विवाद को सुलझाने के लिए कुछ प्रबुद्धजनों के प्रयास भी असफल रहे। इसके बाद सूचना मिलते ही थाना प्रभारी झा अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाया, विवाद शांत कराया और फिर स्वयं शव को कंधा देकर श्मशान घाट तक पहुंचाया। उन्होंने परिजनों को अंतिम संस्कार में सहयोग कर कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि झारखंड के जनजातीय समाज में दूसरे गांव की सीमा में शव का अंतिम संस्कार करने को लेकर अक्सर इसतरह के विवाद देखने को मिलते हैं।

## चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान... वाराणसी के युवक का अनोखा प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। वाराणसी,(ईएमएस)। श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के विरोध में वाराणसी के समाजसेवी रघुकुल यथार्थ शिवांशु ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कथित चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान कर भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। इस मौके पर रघुकुल यथार्थ ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। इसके बाद यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे जुड़े किसी भी कार्य में वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तब उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दान की प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए।

# कांग्रेस ने बंगाल को उसके हाल पर छोड़ दिया था, टीएमसी ने लूटकर बर्बाद कर दिया

### -केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बंगाल के इतिहास पर पीएम मोदी की बातों का किया समर्थन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर पीएम मोदी की बातों का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंटवारे के बाद कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बाद में राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों की वजह से 1946 के ज़ख्म बने रहे। सिंह ने कहा बंटवारे के समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल को बचाया था, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी 1946 के ज़ख्म यानी डायरेक्ट एक्शन डे के नाम पर हिंदुओं पर हमले जारी रहे। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बंगाल को पूरी तरह से उसके हाल पर छोड़ दिया। आखिरकार, टीएमसी ने लूट-पाट करके इसे लगभग बर्बाद ही कर दिया। अब जब बीजेपी आ गई है, तो वहां के लोग इसे दूसरी आज़ादी जैसा महसूस कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस के अंदर फंड से जुड़े कथित विवाद पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी जो खुद को सिर्फ़ चप्पल और साड़ी पहनने वाली एक साधारण महिला के तौर पर पेश करती थीं, असल में लूट-खसोट वाले शासन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें उनके मंत्रियों से लेकर नीचे तक के सभी लोग शामिल थे। अब यह बात सबके सामने आ रही है।

बता दें शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के तारकेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को पश्चिम बंगाल दिवस के महत्व और राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने बंटवारे के समय की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस दौरान अविभाजित बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिशें की गई थीं। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने ऐसी कोशिशों का विरोध किया और इसके खिलाफ़ ज़ोरदार आवाज़ उठाई। बंगाल हर साल 20 जून को पश्चिम बंगाल के आधिकारिक स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और इसके गठन की विधायी प्रक्रिया का जश्न मनाता है।

## 142 बच्चे नहीं दे पाए नीट परीक्षा, भाजपा ने कांग्रेस पर फोड़ा ठीकरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में नीट परीक्षा को लेकर एक नया सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया, जहां कांग्रेस की एक बड़ी राजनीतिक रैली के आयोजन को लेकर भाजपा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विवाद कांग्रेस के उस मेगा सम्मेलन को लेकर शुरू हुआ, जो बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम बीके हरिप्रसाद के कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के मौके पर रखा गया था। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा के दिन ही कांग्रेस द्वारा आयोजित की गई इस रैली के कारण शहर में भारी ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे कई छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने एक्स पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी इस रैली के लिए कोई और दिन चुन सकती थी, लेकिन उसने वही दिन चुना जब हजारों छात्र नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा दे रहे थे। सूर्या के अनुसार, शहर में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक बाधित हुआ, जिसके कारण कई छात्र परीक्षा केंद्रों तक देर से पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि कुछ छात्र घबराहट की स्थिति में परीक्षा केंद्र पहुंचे और उन्हें अतिरिक्त समय के लिए अधिकारियों से अनुरोध करना पड़ा, जो परीक्षा अधिकारियों ने राहत देते हुए दिया। भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि वे छात्रों और परीक्षाओं को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी ने खुद संवेदनशीलता नहीं दिखाई। तेजस्वी सूर्या के आरोपों पर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिना नाम लिए सूर्या को सीरियल मिसइन्फॉर्मेशन एमपी बताते हुए कहा कि वे हमेशा की तरह आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। खड़गे ने भाजपा के दावों को आधा सच करार दिया। उन्होंने बताया कि आरसी कॉलेज में कुल 720 छात्रों को नीट परीक्षा के लिए आवंटित किया गया था, जिनमें से 142 छात्र अनुपस्थित रहे। उनके अनुसार, केवल तीन छात्र ही परीक्षा में शामिल नहीं हो सके।

## यूपी में हम 22 फीसदी, सपा में अगला सीएम चेहरा मुस्लिम समुदाय से हो

### -मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने अखिलेश यादव को लिखे पत्र में की मांग

**बरेली (एजेंसी)।** ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को लिखे पत्र में कहा कि प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 22 फीसदी है, इसलिए मुस्लिम समुदाय सीएम पद पर अपना दावा मजबूत मानता है। मौलाना रजवी ने समाचार को कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को मैंने एक पत्र लिखा है। उनके सामने 2027 विधानसभा चुनाव के सिलसिले में अपनी बात रखी हैं। रजवी ने कहा कि खासतौर पर मैंने यूपी के मुसलमानों के जज्बाज को याद दिलाया है और बताया है कि 22 फीसदी मुसलमान यूपी में हैं और 7 फीसदी यादव जाति के लोग हैं। सबसे बड़ी हिस्सेदारी या बहुमत मुसलमानों का है। उनके पिता मुलायम सिंह यादव को कई बार मुख्यमंत्री बनाया। खुद अखिलेश यादव को मुसलमानों ने सीएम बनाया। उनके भाई, चाचा, पत्नी और भतीजे में से किसी को विधानसभा तो किसी को लोकसभा में भेजना का काम मुसलमानों ने ही किया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह से पूरे यादव परिवार को मुसलमानों ने नवाजा है। इस कारण मैंने पत्र के जरिए मांग की है कि 2027 के चुनाव के लिए मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर किसी मुसलमान की घोषणा करें। रजवी ने मांग की कि अखिलेश यादव घोषणा करें कि अगला सीएम वे नहीं होंगे, बल्कि एक मुसलमान को सीएम बनाया जाएगा। वे अपनी ही पार्टी के किसी मुसलमान को सीएम बनाने का ऐलान करें और उसी के चेहरे पर चुनाव लड़ें। तब मुसलमान 2027 में भारी तादाद में उन्हें वोट देगा। रजवी ने यह भी कहा कि अगर वह ऐसा करने में कामयाब नहीं होते हैं, तो मुसलमानों से उम्मीदें छोड़ देनी चाहिए।

## जनभागीदारी से बनेगी देहरादून महायोजना-2041: 6 जुलाई से शुरू होगी सेक्टरवार जनसुनवाई

### एमडीडीए ने जारी किया 16 दिवसीय शेड्यूल, नागरिकों, भू-स्वामियों और संस्थाओं को सुझाव व आपत्तियां दर्ज कराने का मौका

**आरव शर्मा**
**देहरादून (शिखर समाचार)।**
देहरादून महायोजना-2041 (प्रारूप) पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों के निस्तारण के लिए मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सेक्टरवार जनसुनवाई कार्यक्रम जारी कर दिया है। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के निदेशों के बाद तय शेड्यूल के मुताबिक, यह सुनवाई 6 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाएगी। इसमें संबंधित सेक्टर के नागरिक, भू-स्वामी, संस्थाएं और हितधारक अपने सुझाव और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे। एमडीडीए द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक सेक्टर के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं और सभी सुनवाइयां पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 5 बजे तक आयोजित होंगी। महायोजना-2041 देहरादून के सुनियोजित, संतुलित और सतत विकास की आधारशिला है। इसमें आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत, औद्योगिक, हरित क्षेत्र, परिवहन व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े विभिन्न प्रावधान शामिल किए गए हैं। जनसुनवाई प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों का परीक्षण कर

आवश्यकतानुसार महायोजना में संशोधन व परिमार्जन किया जाएगा। एमडीडीए प्रशासन ने सभी संबंधित नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने सेक्टर के लिए निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर रचनात्मक सुझाव दें, ताकि देहरादून की भावी विकास योजना को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाया जा सके।

**अधिकारियों ने कहा- शहर के बेहतर भविष्य के लिए सहभागिता जरूरी**

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि देहरादून महायोजना-2041 शहर के दीर्घकालिक विकास का महत्वपूर्ण दस्तावेज है और इसकी सफलता पूरी तरह जनसहभागिता पर निर्भर करती है। नागरिकों, विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार उनका परीक्षण किया जाएगा। वहीं, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि जनसुनवाई प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रत्येक सेक्टर में निर्धारित स्थल पर अधिकारियों की टीम उपस्थित रहेगी, जो प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों का अभिलेखीकरण करेगी। उन्होंने सभी हितधारकों से निर्धारित तिथियों में आयोजित जनसुनवाई में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया है।

**यह रहेगा जनसुनवाई का पूरा शेड्यूल**
**एमडीडीए द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत 12 सेक्टरों में होने वाली सुनवाई की तारीखें और स्थान इस प्रकार हैं:**

प्राधिकरण द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत 12 सेक्टरों में होने वाली इस जनसुनवाई की शुरूआत 06 जुलाई 2026 को सेक्टर-1 के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय, अजबपुर खुर्द से होगी। इसके बाद क्रमशः 07 जुलाई को सेक्टर-2 के लिए ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, 08 जुलाई को सेक्टर-3 के लिए दून यूनिवर्सिटी कैम्पस, 09 जुलाई को सेक्टर-4 के लिए नगर निगम टाउन हॉल, 10 जुलाई को सेक्टर-5 के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज और 13 जुलाई को सेक्टर-6 के लिए आईटीआई पार्क में सुनवाई आयोजित की जाएगी। इसके बाद 14 जुलाई को सेक्टर-7 के लिए संशोधित स्थल जीआरडी यूनिवर्सिटी (राजपुर रोड), 15 जुलाई को सेक्टर-8 के लिए सीएनआई गर्ल्स इंटर कॉलेज (राजपुर रोड), 17 जुलाई को सेक्टर-9 के लिए ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी विद्यालय, 18 जुलाई को सेक्टर-10 के लिए तहसील देहरादून (मिनी टाउन हॉल), 20 जुलाई को सेक्टर-11 के लिए पॉलीटेक्निक भवन (सुधोवाला) और अंत में 21 जुलाई 2026 को सेक्टर-12 के लिए वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट (चंद्रबनी रोड) में जनसुनवाई संपन्न होगी।

## गुरुद्वारों पर कब्जा करने निहंगों ने मचाया उत्पात, इंटरनेट बंद, धारा 163 लागू

### -उत्तराखंड में कई लोगों पर कर चुके हैं जानलेवा हमला

**देहरादून(एजेंसी)।** उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग क्षेत्र में निहंगों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के बाद निहंगों ने अब रुद्रप्रयाग जिले के नगरासू और रुद्रप्रयाग में स्थित गुरुद्वारों पर कब्जे का प्रयास किया, जिससे स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण हो गई है। इस दौरान मारपीट, गाली-गलौज और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने कर्णप्रयाग में 27 जून तक बीएनएसएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 लागू कर दी है, वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं।

नगरासू गुरुद्वारे में उत्पन्न विवाद अभी शांत नहीं हुआ है, जहाँ खबर लिखे जाने तक सात से आठ निहंग गुरुद्वारे की छत पर डटे हुए हैं। उनकी मुख्य मांग बीते 16 जून को कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के संबंध में गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की तत्काल रिहाई है। गुरुद्वारा प्रबंधक बेहंत सिंह ने आरोप लगाया है कि निहंगों ने जबरन गुरुद्वारे में घुसने, कब्जा करने, गाली-गलौज करने, तोड़फोड़ करने और श्रद्धालुओं के लिए व्यवधान पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने 65 वर्षीय एक बुजुर्ग को बंधक बनाने का भी दावा किया, हालांकि बाद में एक व्यक्ति को निहंगों ने छोड़ दिया। छत पर पत्थर और अन्य सामग्री जमा होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और आईटीबीपी ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने निहंगों से करीब एक घंटे तक फोन पर वार्ता कर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, जिला प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाते हुए नगरासू में शनिवार शाम से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी थीं, जो लगभग 12 घंटे बाद रविवार शाम को बहाल की गईं। इसी तरह, कर्णप्रयाग में सिख समुदाय द्वारा धरना प्रदर्शन के आह्वान और वर्तमान में गतिमान चारधाम यात्रा में संभावित व्यवधान के मद्देनजर, कर्णप्रायग, गौचर और सिमली सहित कई अन्य स्थानों पर रविवार को पूरे दिन इंटरनेट बंद रहा। प्रशासन ने शनिवार रात को ही कर्णप्रयाग में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी थी, जो 27 जून तक प्रभावी रहेगी। यह आदेश पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एक साथ एक स्थान पर एकत्रित होने, जुलूस, जनसभा, धरना-प्रदर्शन करने और किसी भी प्रकार के शस्त्र, लाठी, चाकू, तलवार या विस्फोटक पदार्थ लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाता है। साथ ही किसी भी सार्वजनिक आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर भी रोक लगाई गई है।

**दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने की बात**

इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की और दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद का उचित हल निकालने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री धामी ने मान को विश्वास दिलाया कि इस मामले में कोई भी कदम पूरी तरह निष्पक्ष ढंग से उठाया जाएगा। बताया जा रहा है कि निहंग समुदाय में इस बात को लेकर भारी रोष है कि कर्णप्रयाग की तलवारबाजी घटना में केवल उनके सदस्यों पर ही मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है, जबकि स्थानीय लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे उनके बीच असंतोष गहरा गया है। बद्रीनाथ और हेमकुंड यात्रा दिनभर निर्बाध रूप से जारी रही।

## प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को उनके 50वें जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु सी. जोसेफ विजय को जन्मदिन की बधाई। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

22 जून 1974 को चेन्नई में जन्मे विजय, एक मशहूर अभिनेता से राजनेता बने हैं और वर्तमान में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, वह तमिल सिनेमा के सबसे सफल और प्रभावशाली सितारों में से एक रहे, जिन्हें उनके लाखों प्रशंसक थलपति के नाम से बुलाते हैं। उनका पूरा नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है, और वे फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर तथा गायिका शोभा चंद्रशेखर के पुत्र हैं। विजय ने अपने पिता द्वारा निर्देशित फिल्म वेट्री (1984) में एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। जल्द ही वे तमिल फिल्म जगत में एक प्रमुख स्टार के रूप में उभरे। खुशी, थिरुमलाई, घिल्ली, पोक्किरी और सरकार जैसी फिल्मों ने उनकी लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हालांकि, उन्हें शुरू में रोमांटिक भूमिकाओं के लिए पहचाना गया, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को एक एक्शन स्टार के रूप में ढाला, जो अक्सर सामाजिक और राजनीतिक न्याय के लिए लड़ने वाले पात्रों को निभाने के लिए जाने जाते थे।

प्रशंसकों के बीच उनकी जबरदस्त लोकप्रियता के कारण उनकी तुलना अक्सर उन महान तमिल अभिनेताओं से की जाती थी जिन्होंने सफलतापूर्वक राजनीति में कदम रखा था। उनकी कई फिल्मों में दिखाए गए राजनीतिक विषयों को उनके भविष्य के राजनीतिक इरादों के संकेत के रूप में देखा गया, जिससे उनके प्रशंसकों में उनके राजनीतिक प्रवेश की उम्मीदें बढ़ती गईं। आखिरकार, 2024 में विजय ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) पार्टी का गठन कर औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया। उनकी पार्टी ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में एक शानदार प्रदर्शन किया, राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 में से 108 सीटों पर विजय हासिल की। बहुमत के आंकड़े से कम सीटें होने पर, टीवीके ने कांग्रेस और अन्य दलों के साथ गठबंधन किया। इस गठबंधन के बाद, जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, जो उनके अभिनेता से शीर्ष राजनेता बनने के असाधारण सफर का प्रतीक है।

## यूपी में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी बढ़ी, फिर होगा वेरिफिकेशन

### -एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया था

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यूपी में एसआईआर में आंकड़ों को लेकर अलग दावे किए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। साथ ही नए बनने वाले मतदाताओं में 35 फीसदी मुस्लिम वोटर के भी दावे किए गए हैं। कई आयु वर्ग में आबादी के अनुपात से कहीं ज्यादा मुस्लिम मतदाताओं के होने की बात कही जा रही है। इसको लेकर गोपनीय तरीके से वेरिफिकेशन शुरू किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यूपी में एसआईआर प्रक्रिया के बाद हाई लेवल पर डेटा का गोपनीय विश्लेषण किया जा रहा है। इसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। विश्लेषण के क्रम में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां भी बात सामने आई है। अब इन तमाम गड़बड़ियों को दूर किए जाने को लेकर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया जा रहा है। यह अब बढ़कर 19.5 फीसदी पहुंचने की बात है।

जनगणना आंकड़ों के आधार पर की गई स्टडी को लेकर दावे सामने आए हैं। दरअसल, 2011 के जनगणना आंकड़ों को आधार माना जाए तो प्रदेश में कुल अल्पसंख्यक आबादी करीब 20.3 फीसदी है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदाय का 19.3 फीसदी है। इसके अलावा सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के लोग हैं। चुनाव आयोग की ओर से धार्मिक आधार पर वोटर्स के आंकड़े जारी नहीं किए जाते हैं। हालांकि, राजनीतिक और सामाजिक स्टडी ने अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक प्रदेश के कुल मतदाताओं में अल्पसंख्यक मतदाताओं की हिस्सेदारी उनकी आबादी के अनुपात में करीब 19-20 फीसदी के आसपास मानी जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूपी की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक पिछले तीन चुनावों से लगातार समाजवादी पार्टी गठबंधन के पक्ष में एकजुट होता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव 2019 में यह वर्ग सपा-बसपा गठबंधन के पक्ष में दिखा। यूपी चुनाव 2022 में सपा महागठबंधन के समर्थन में मुस्लिम वोट पड़ने की बात सामने आई। लोकसभा चुनाव 2024 में भी मुस्लिम समाज ने एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन दिया। ऐसे में मुस्लिम वोटरों के बढ़ने को लेकर कई प्रकार के दावे किए जा रहे हैं। बीजेपी के पसमांदा राजनीति के

बीच इस वर्ग के वोट शेयर में इजाफे की भी चर्चा है।

# गाजियाबाद का नया हॉटस्पॉट बना कोयल एन्क्लेव, 6 महीने में बिक गई ₹315 करोड़ की प्रॉपर्टी

## जीडीए की रफ्तारः ₹45 करोड़ से चमकेगा कोयल एन्क्लेव, रामायण थीम पार्क और भव्य मुख्य द्वार बदलेंगे तस्वीर

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) की महत्वाकांक्षी 'कोयल एन्क्लेव योजना' रियल एस्टेट मार्केट में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। पिछले छह महीनों के भीतर इस योजना में प्रॉपर्टीज की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है, जिसने निवेशकों और आम जनता के बीच इसके बढ़ते क्रेज को साबित कर दिया है। छह माह के भीतर ही यहाँ लगभग ₹315 करोड़ मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हो चुका है। निवेशकों के इस भारी रुझान को देखते हुए जीडीए ने भी अब इस क्षेत्र के कायाकल्प के लिए कमर कस ली है और ₹45 करोड़ के विकास कार्यों को धरातल पर उतारने की तैयारी पूरी कर ली है।

**नीलामी और ओसीएफएस से बरसे करोड़**

कोयल एन्क्लेव में निवेश की अपार संभावनाओं का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जीडीए द्वारा आयोजित नीलामी प्रक्रिया के जरिए मुख्य रूप से ग्रुप हाउसिंग भूखंडों समेत करीब ₹312 करोड़ की संपत्तियों की बिक्री की गई है। इसके अलावा, 'पहले आओ-पहले पाओ' योजना के तहत भी लोगों ने हाथों-हाथ करीब ₹2.50 करोड़ की संपत्तियाँ खरीदी हैं। कुल मिलाकर ₹315 करोड़ का यह आंकड़ा यह बताने के लिए काफी है कि यह योजना आने वाले समय में एनसीआर का सबसे प्रमुख आवासीय गंतव्य बनने जा रही है।

**₹45 करोड़ से बदलेगी सूरत, ये होंगे मुख्य बदलावः**

योजना को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और हाई-क्लास रेजिडेंशियल एरिया के रूप में विकसित करने के लिए जीडीए करीब ₹45 करोड़ लागत के बुनियादी ढांचे और सौंदर्यीकरण से जुड़े काम करवा रहा है। इसके तहत निम्नलिखित बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू किया गया हैः

◆ **रामायण थीम पार्कः** योजना के भीतर एक भव्य और आकर्षक रामायण थीम पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जो स्थानीय निवासियों के लिए मुख्य आकर्षण होगा।

◆ **सड़कों का सुदृढ़ीकरणः** क्षेत्र के सभी 24 मीटर और 12 मीटर चौड़े आंतरिक मार्गों का नए सिरे से निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।

◆ **लाइटिंग और ग्रीनरीः** सड़कों, साइड वर्ज और सेंट्रल वर्ज पर हाई-क्वालिटी स्ट्रीट लाइट्स के साथ-साथ हेरिटेज लाइट्स लगाई जा रही हैं। मुख्य मार्ग के पास स्थित ग्रीन बेल्ट को आकर्षक लैंडस्केपिंग के जरिए हरा-भरा बनाया जा रहा है।

◆ **भव्य मुख्य द्वार और छठ घाटः** कोयल एन्क्लेव में एक भव्य मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण होगा। इसके साथ ही योजना में स्थित छठ घाट का उच्चस्तरीय निर्माण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

**पानी और सुरक्षा के पुख्ता**

◆ **इंतजामः** बहुमंजिला आवासीय टावरों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाई जा रही है। साथ ही आंतरिक मेंटेनेंस और बिजली के काम तेजी से चल रहे हैं। निवासियों को साफ पानी देने के लिए आर.ओ. (RO) प्लांट की स्थापना की जा रही है।

◆ **मजबूत ड्रेनेज सिस्टमः** जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए सीवर, नाली और ड्रेनेज प्रणाली से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है।

**प्रॉपर्टी के दामों में आएगा बड़ा उछाल**

जीडीए के अधिकारियों के मुताबिक, इन सभी विकास कार्यों के पूरा होने के बाद कोयल एन्क्लेव आधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन पर्यावरण से लैस एक आदर्श आवासीय क्षेत्र बनेगा। नागरिक सुविधाओं में इस भारी सुधार के चलते आने वाले दिनों में यहाँ संपत्तियों की कीमतों में भारी उछाल आने की प्रबल संभावना है, जिससे मौजूदा निवेशकों को बड़ा मुनाफा होगा।

# मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा, लंबित आवेदनों का सात दिन में निस्तारण करने के निर्देश

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा) योजना की जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, प्राप्त आवेदनों, स्वीकृतियों तथा ऋण वितरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने जिलाधिकारी को जानकारी दी कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके तहत पात्र युवाओं को 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान तथा चार वर्ष तक ब्याज सब्सिडी का भी प्रावधान है, जिससे युवा अपना व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित

लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आवेदन प्राप्त कर उनकी स्वीकृति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत आवेदनों और वितरित ऋण की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों पर विशेष ध्यान देने को कहा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण सात दिनों के भीतर किया जाए। उन्होंने उपस्थित अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) तथा सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखे जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना किसी वैध कारण के आवेदन निरस्त करने अथवा अनावश्यक विलंब करने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अधिकाधिक युवाओं को लाभान्वित करने तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

# बुढ़ाना को नगर पालिका बनाने की मांग तेज, सपा नगर अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

**बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष ताज जिया के नेतृत्व में सोमवार को नगरवासियों ने बुढ़ाना नगर पंचायत की सीमा का विस्तार कर उसे नगर पालिका का दर्जा दिए जाने की मांग उठाई। इस संबंध में सफाई व्यवस्था, सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर नगर पंचायत प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।(नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए ताज जिया ने कहा कि वार्ड संख्या 14 में बड़ी आबादी निवास करती है, लेकिन क्षेत्र में आज तक कोई सामुदायिक भवन नहीं बनाया गया है। उन्होंने मांग की कि तीन जून को आयोजित बोर्ड बैठक में शाही ईदगाह में टाइल्स लगाने एवं सौंदर्यीकरण संबंधी जो प्रस्ताव पारित किया गया था, उस पर शीघ्र कार्य शुरू कराया जाए।

ताज जिया ने बताया कि बोर्ड बैठक में सभासद राशिद भुरू द्वारा नगर पंचायत की सीमा विस्तार कर बुढ़ाना को नगर पालिका बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया था, लेकिन कस्बे के विकास से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि नगर के पीर शाह विलायत क्षेत्र में नालियों की सफाई और कूड़ा निस्तारण व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के पदाधिकारी आसिफ कुरैशी ने कहा कि बुढ़ाना को नगर पालिका का दर्जा मिलने से विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट उपलब्ध होगा, जिससे नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं और संसाधन प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन को जनहित में इस प्रस्ताव को शासन के पास भेजना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि कस्बे के विकास के लिए बोर्ड बैठकों में केवल चर्चा करने के बजाय प्रस्तावों पर ठोस निर्णय लेकर उन्हें धरातल पर लागू किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन नगर पंचायत के लिपिक सतीश कुमार को सौंपा। इस अवसर पर तौसीफ राही, इरशाद सलमानी, फसी अख्तर, इकराम कुरैशी, राशिद राणा, गुड्डू, बाबर सलमानी, नईम अंसारी, आमिर खान, जमील सैफी और नूर मोहम्मद मंसूरी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

# 260 करोड़ रुपये मूल्य की 250 बीघा सरकारी भूमि पर प्रशासन ने लिया कब्जा

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जनपद गाजियाबाद में सरकारी भूमि को भूमाफियाओं और अवैध कब्जाधारकों से मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रशासन ने ग्राम डासना स्थित लगभग 250 बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा प्राप्त कर लिया। भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 260 करोड़ रुपये बताया गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार ग्राम डासना, परगना डासना, तहसील सदर स्थित खसरा संख्या 33 की लगभग 20 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में वर्ष 1359 फसली से सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है। भूमि से संबंधित मामला उपजिलाधिकारी न्यायालय में धारा 145 के अंतर्गत विचाराधीन है।

सोमवार को राजस्व विभाग, पुलिस बल और अन्य संबंधित विभागों की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया और विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए प्रशासनिक कब्जा प्राप्त कर लिया। भूमि पर सूचना पट्ट स्थापित किए गए हैं, जिनमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि इस सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण, अवैध कब्जा अथवा क्रय-विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित है। कार्रवाई के दौरान उपजिलाधिकारी सदर अरुण दीक्षित ने पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में मुनादी कराकर लोगों को जानकारी दी कि यह भूमि सरकारी अभिलेखों में दर्ज सरकारी संपत्ति है। उन्होंने चेतावनी दी कि भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण, निर्माण कार्य या खरीद-फरोख्त दंडनीय अपराध माना जाएगा। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि जनपद में सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप किसी भी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले से किए गए अवैध कब्जों को भी चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी भूमि की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमाफियाओं के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण या खरीद-फरोख्त न करें तथा ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

# बिल्डर के अपहरण की रची साजिश, लिंक रोड पुलिस ने 4 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद के थाना लिंकरोड क्षेत्र में बिल्डर राजेश पांडे के अपहरण की साजिश को नाकाम करते हुए पुलिस ने 4 अभियुक्त सत्यम सिंह (22 वर्ष), गौतम मिर्धा (25 वर्ष), नितिन तिवारी (26 वर्ष) और रोहित उर्फ हिटलर (29 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। इन सभी ने मिलकर राजेश पांडे का अपहरण कर 5 करोड रुपए रंगदारी मांगने की योजना बनाई थी। इस योजना को सफल करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से तमंचा खरीदा था। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि लिंक रोड क्षेत्र में बिल्डर राजेश पांडे के अपहरण की योजना बनाई जा रही थी। इस योजना को सफल करने के लिए अपहरण करता हूं, उन्हें अपहरण करने का प्रयास भी किया था। राजेश पांडे को सुरक्षित करने के लिए इन सभी की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई थी। टीम ने इन सभी को गिरफ्तार करके इनके कब्जे से एक स्विफ्ट कार, 1 रस्सी, 2 अवैध तमंचा, 3 जिन्दा कारतूस बरामद किया। उन्होंने बताया कि इन्होंने पहली बार मिलकर किसी अपराध को अंजाम दिया है और वारदात को अंजाम देने के लिए इन्होंने अपने दोस्त की गाड़ी ली थी। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि सत्यम के पिता बिल्डर को पहले से ही जानते थे, जसकरण सत्यम को पता लग गया था कि वह कब और कहां से कैश लेकर आता है। अपने शौक पूरे करने के लिए उन सभी ने मिलकर योजना बनाई की बिल्डर का हथियार के बल पर अपहरण करते हुए 5 करोड रुपए की रंगदारी मांगेंगे। इसलिए उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से 25 हजार का तमंचा खरीदा था, जिसके लिए उन सभी ने मिलकर पैसे दिए थे। उन्होंने कई बार अपहरण का प्रयास किया लेकिन फिर भी वह बिल्डर का अपहरण नहीं कर पाए थे।

# श्रम विभाग कर्मचारी संघ, गाजियाबाद शाखा की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** श्रम विभाग कर्मचारी संघ, शाखा गाजियाबाद की कार्यकारिणी का निर्वाचन सोमवार को विनीता सिंह, निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक श्रम आयुक्त, गाजियाबाद तथा देवव्रत चौधरी, अध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चयन किया गया। निर्वाचन में राकेश कुमार को संरक्षक, राधे लाल को अध्यक्ष, मदन गोपाल यादव को मंत्री, अरुण कुमार शर्मा एवं प्रदीप कुमार को उपाध्यक्ष, वीरेन्द्र कुमार गौतम को कोषाध्यक्ष तथा रविन्द्र कुमार, शान्तनु चतुर्वेदी और अंकुर शर्मा को संगठन मंत्री चुना गया। इसके अलावा अनूप कुमार कुशवाहा, अमित कुमार, सुगंधा उपाध्याय, आयुष प्रताप सिंह, पवन

कुमार तथा मंजू को कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया। निर्वाचन कार्यक्रम के अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष राधे लाल ने सभी अधिकारियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ कर्मचारी हितों की रक्षा एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। निर्वाचन अधिकारी ने सभी सदस्यों के सहयोग की सराहना करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

# व्यापारियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प, नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

**शामली (शिखर समाचार)।** उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, जनपद शामली के तत्वावधान में रविवार को सिटी ग्रीन्स बैंक्विट हॉल में शपथ ग्रहण समारोह एवं व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनके सम्मान और अधिकारों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। समारोह में प्रदेश एवं जनपद स्तर के अनेक जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, उद्योगपतियों और व्यापारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंधी, प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी तथा पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने जिला अध्यक्ष विशाल गुप्ता एवं उनकी टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही कैराना, कांधला, थानाभवन तथा

उद्योग मंच की नवगठित टीमों ने भी शपथ ग्रहण कर अपने दायित्व संभाले। समारोह में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जनपद के 22 उद्योगपतियों एवं व्यापारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों तथा जनपद के विकास में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 व्यापारियों एवं उद्यमियों की उपस्थिति रही। जिला अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने कहा कि व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन व्यापारियों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करेगा। इस दौरान व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मुख्य अतिथियों को सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन आयुष्मान सिंघल और आकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन को सफल बनाने में श्रीकांत जैन, अनिल कुमार गुप्ता, निर्भय संगल, अवनीश गर्ग सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

## जमीन की पैमाइश के नाम पर लेखपाल पर 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप, डीएम से शिकायत

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** फरीदनगर नगर पंचायत क्षेत्र में जमीन की पैमाइश के नाम पर एक लेखपाल द्वारा कथित रूप से 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष और कई सभासदों ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर जांच कर कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत अध्यक्ष रेशमा तथा कई सभासदों की ओर से जिलाधिकारी को सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर पंचायत क्षेत्र में कुछ दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए संबंधित भूमि की पैमाइश कराई जानी है। आरोप है कि पैमाइश के लिए जिम्मेदार लेखपाल ने कार्य करने के एवज में 50 हजार रुपये की मांग की। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि निर्धारित धनराशि नहीं दिए जाने के कारण पैमाइश का कार्य रोक दिया गया है। शिकायत में कहा गया है कि सरकारी कार्यों में अधिकारियों और कर्मचारियों को सहयोगात्मक भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन संबंधित लेखपाल पर रिश्वत मांगकर विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया गया है। शिकायत पत्र पर सभासद शिव शंकर, पिंकी देवी, फुरकान, राहुल सैनी सहित कई जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषी पाए जाने पर संबंधित लेखपाल के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## जमीनी विवाद में किसान को ट्रैक्टर से रौंदा, हालत गंभीर

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव डबाना में जमीनी विवाद को लेकर एक किसान पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोधियों ने पहले किसान पर धारदार हथियारों से हमला किया और बाद में उसे ट्रैक्टर से रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल किसान का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने छह आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव डबाना निवासी अजय कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव में स्थित जमीन को लेकर कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चली आ रही है। रविवार को वह किसी कार्य से अपनी जमीन पर पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहले से घात लगाए बैठे आरोपितों ने उन्हें देखते ही हमला कर दिया। हमलावरों ने धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित का आरोप है कि हमले के दौरान एक आरोपित ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचा और हत्या की नीयत से उन्हें ट्रैक्टर से रौंद दिया। गंभीर चोट लगने के कारण अजय कुमार खून से लथपथ होकर मौके पर ही बेहोश हो गए। आरोपित उन्हें मृत समझकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों ने घायल किसान को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामले में पुलिस ने अजय कुमार की शिकायत के आधार पर डबाना निवासी सौरभ उर्फ छोटू, अतुल उर्फ गोलू, गुलबीर तथा तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## थाना परिसर में दुष्कर्म पीड़िता का आत्मदाह का प्रयास, 60 प्रतिशत झुलसी, थाना प्रभारी निलंबित

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जिला मुख्यालय स्थित शहर कोतवाली थाना परिसर में रविवार देर रात एक दुष्कर्म पीड़िता युवती ने ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास कर लिया। घटना से थाना परिसर में अफरा तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक युवती करीब 60 प्रतिशत तक झुलस चुकी थी। गंभीर अवस्था में उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की

गंभीरता को देखते हुए शहर कोतवाली प्रभारी अमर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार मामला किरतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम छितावर की रहने वाली युवती अवनीशा से जुड़ा है। युवती ने स्वाहेड़ी निवासी सौरभ पुत्र संजू के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित वर्तमान में सेना में कार्यरत है। पीड़िता का आरोप था कि मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही थी, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी। इसी नाराजगी के चलते वह देर रात शहर कोतवाली पहुंची और आत्मदाह का प्रयास कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा तथा पुलिस अधीक्षक नगर डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि पीड़िता द्वारा आरोपित के खिलाफ पहले भी दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया गया था। प्रारंभिक विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण उस मामले में अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई थी। इसके बाद पीड़िता की ओर से दोबारा मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसकी विवेचना पूरी कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपित सौरभ ने अपनी गिरफ्तारी पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर रखा है। पीड़िता इसी बात से नाराज थी कि आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो रही थी। अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कराई जा रही है तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस बीच अवनीत मान को शहर कोतवाली का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

## बिजनौर में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का भव्य स्वागत, गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की उठाई मांग

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बिजनौर आगमन पर श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनका अभिनंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने देश की वर्तमान राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज समाज में हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने वालों और वास्तविक धार्मिक मूल्यों का पालन करने वालों के बीच अंतर समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं को हिंदू हितों का प्रतिनिधि बताते हैं, उन्हें गौ संरक्षण के मुद्दे पर स्पष्ट और ठोस कदम उठाने चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में गौमाता के प्रति श्रद्धा रखती है तो उसे गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विषय पर निर्णय न होने से समाज के एक बड़े वर्ग में निराशा है। उन्होंने लोगों से धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बिना किसी का नाम लिए राजनीतिक नेतृत्व पर भी कई टिप्पणियां कीं और कहा कि जनप्रतिनिधियों का मूल्यांकन उनके कार्यों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता समय आने पर अपने मताधिकार के माध्यम से निर्णय करती है और लोकतंत्र में यही सबसे बड़ी शक्ति है। बिजनौर प्रवास के दौरान शंकराचार्य के जिले के अन्य नगरों में भी कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। उनके रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी जिले में ही किए जाने की संभावना है। विभिन्न कार्यक्रमों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

## संक्षिप्त समाचार

### बैठक में विभागीय उत्पीड़न का मुद्दा उठाया

**बरेली एजेंसी।** उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कोर कमेटी की बैठक और सदस्य सम्मान समारोह का आयोजन स्टेशन रोड स्थित एक होटल में हुआ।इसमें व्यापारियों ने विभागीय उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री से शिकायत पर सहमति बनी। मुख्य अतिथि वरिष्ठ उद्यमी घनश्याम खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार का जो सामंजस्य वर्तमान में है, वह पहले नहीं दिखा। टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपेश अग्रवाल ने सरकार को संवेदनशील बताते हुए छवि धूमिल करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य और संगठन के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने उद्यमी, व्यापारियों के प्रत्यावेदन बोर्ड को भेजे जाने की जानकारी दी। महानगर महामंत्री राजेश जसोरिया ने बताया कि शुभम अग्रवाल को युवा मंडल अध्यक्ष, मयंक अग्रवाल को युवा मंडल महामंत्री, मुकुल मित्तल को युवा मंडल कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की जानकारी दी। मुकेश खटवानी, मनमोहन सब्बरवाल, अनिल गुप्ता, निरंजन, दिलीप गुप्ता, ईशान गुप्ता, विपिन कोहली, विपिन गुप्ता, संदीप उर्फ मिंटू, प्रकाश आयलानी, ओम बाबू, गिरधारी देवनानी, श्याम मिठवानी, राजेश कटिहा आदि को संगठन में अहम योगदान के लिए सम्मानित किया।

### ओ लेवल और ट्रिपल सी कोर्स के लिए करें आवेदन

**आगरा , एजेंसी।** पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग बेरोजगार युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाएगा। इसके लिए 10 जुलाई तक आवेदन मांगे गए हैं। कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना से ओ लेवल और ट्रिपल सी के रोजगारपरक कोर्स कराए जाएंगे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विजयलक्ष्मी मौर्या ने बताया कि पिछड़े वर्ग के न्यूनतम इंटरमीडिएट पास बेरोजगार युवाओं को, जिनके परिवार की आय अधिकतम एक लाख वार्षिक है। वह पात्र हैं। किसी संस्थान से छात्रवृत्ति का लाभ न लेने और आयु 35 वर्ष से अधिक न होने की अनिवार्यता है।

### रोबोटिक मशीनों से होगी नालों की सफाई, जलभराव से मिलेगी मुक्ति

**बरेली , एजेंसी।** शहर के बड़े नालों और मैनहोल की सफाई के लिए नगर निगम ने तीन अत्याधुनिक रोबोटिक मशीनें मंगवाई हैं। इससे नाला सफाई का काम न सिर्फ आसान हो जाएगा, बल्कि इसमें तेजी भी आएगी। नगर निगम को उम्मीद है कि मानसून की दस्तक से पहले इन मशीनों के जरिये नाला सफाई अभियान को गति देकर शहरवासियों को जलभराव से राहत दिलाई जा सकेगी। 15वें वित्त आयोग से मिले अनुदान में से पांच करोड़ रुपये से इन मशीनों की खरीद की गई है। रोबोटिक मशीनों के इस्तेमाल से सफाई कर्मियों को अपनी जान जोखिम में डालकर मैनहोल के अंदर नहीं उतरना पड़ेगा। इन मशीनों में एडवांस गैस सेंसर लगे हुए हैं जो मैनहोल के भीतर मौजूद जहरीली गैसों का पहले ही पता लगा लेते हैं। इनमें सीसी कैमरे भी फिट हैं, जिनकी मदद से ऑपरेटर डैशबोर्ड पर लगी स्क्रीन पर नाले के अंदर की पूरी स्थिति को लाइव देख सकेंगे। इसमें एक विशेष स्क्रीन लगाई गई है जो काम की प्रगति पर नजर रखती है।

### पुलिस ने नहीं की कार्रवाई तो पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

**गोरखपुर , एजेंसी।** झंगहा थाना क्षेत्र के मीठा बेल गांव में शनिवार को 22 वर्षीय युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया। उसने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या की धमकी दी। काफी देर तक पुलिस के समझाने के बाद वह नीचे उतरा और अपनी बात रखी। दुबौली गांव निवासी निखिल शुक्ला ने बताया कि पिछले महीने कुछ लोगों ने उसके घर पर गोली चलाई थी। इस संबंध में उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। निखिल का आरोप है कि, पुलिस ने अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। युवक कहना था कि, यदि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो वह पानी की टंकी से कूदकर अपनी जान दे देगा। मौके पर झंगहा थाना पुलिस पहुंची और उसने युवक को नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। सीओ चौरीचौरा के आने के बाद निखिल शुक्ला नीचे उतरा। उसने अपनी बात रखी और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की।

### इमामबाड़ा एस्टेट ने बिजलीकर्मियों और सफाई योद्धाओं का किया सम्मान

**गोरखपुर , एजेंसी।** इमामबाड़ा एस्टेट के सातवें सज्जादनशीन सैयद अयान अली शाह ने बिजली विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और नगर निगम के सफाईकर्मियों को सम्मानित किया। समारोह में अधिशासी अभियंता अतुल रघुवंशी, एसडीओ पुष्पेंद्र सिंह, अवर अभियंता रोशन कुमार, सुपरवाइजर विनोद तिवारी व पार्षद समद गुफरान आदि मौजूद रहे। सम्मानित कर्मियों को माला, अंगवस्त्र और मिठाई भेंट की गई। सैयद अयान अली शाह ने कहा कि बिजलीकर्मी और सफाई योद्धा समाज के वास्तविक नायक हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी जनता की सेवा में जुटे रहते हैं।

# कहां गई 60 किलो चांदी की ईंटों और अखंड ज्योति?

**लखनऊ , एजेंसी।** राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण में रोज नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इससे मंदिर प्रबंधन पर लग रहे आरोपों के साथ-साथ संदेह भी बढ़ता जा रहा है। मंदिर निर्माण के समय दान देने वाले कुछ श्रद्धालु खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और दान में दी गई वस्तुओं का सार्वजनिक हिसाब मांग रहे हैं।

इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने बताया कि देशभर के सराफा कारोबारियों ने 10-10 और 20-20 ग्राम चांदी भेजकर करीब 60 किलो चांदी एकत्र की थी। इसे गलाकर एक से सवा किलो वजन की ईंटें तैयार की गई थीं, जिन पर दानदाताओं के नाम और गोत्र अंकित थे। इसके अलावा ऋषिकेश एसोसिएशन की ओर से एक किलो चांदी का कलश भी भेंट किया गया था। ईंटों को नींव पूजन में उपयोग करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन बाद में इनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

रस्तोगी का दावा है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक-एक किलो के दो चांदी के दीपक, दो चांदी के कटोरे, 200 ग्राम की पंचधातु सिल्ली और नाग-नागिन का जोड़ा दिया था। एक दीपक में डॉ. अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने अखंड

ज्योति जलाई थी, जो प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तस्वीरों में भी दिखाई दी थी। हालांकि, मंदिर बनने के बाद न तो वह दीपक दिखाई दे रहा है और न ही भोग के लिए दिए कटोरे। उन्होंने सभी दान सामग्री का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की है।

**न्यायिक आयोग बनाने के लिए याचिका :** चढ़ावे में हेरफेर मामले में उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग गठित करने के अनुरोध वाली एक नई जनहित याचिका (पीआईएल) शनिवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में दाखिल हुई है। कोर्ट के रजिस्ट्री अनुभाग में इस पीआईएल पर अगले सप्ताह सुनवाई संभावित है। अधिवक्ता मोतीलाल यादव की पीआईएल में राज्य सरकार समेत पुलिस महानिदेशक, अयोध्याडीएम, एसएसपी, ट्रस्ट सचिव को पक्षकार बनाया गया है।

**इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसो. की ओर से भेंट की गई थीं ईंटें :** रस्तोगी के मुताबिक, 20 जुलाई 2020 को चंपत राय की सहमति के बाद ये चांदी की ईंटें अयोध्या स्थित रामकचहरी में सौंपी गई थीं। उस समय चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और कैशियर प्रकाश गुप्ता मौजूद थे। दान सामग्री स्वीकार करने के बाद शुद्धता प्रमाण पत्र और रसीद भी जारी की गई थी। उनका कहना है कि इन ईंटों को नींव पूजन में उपयोग करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन बाद में इनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

**जांच पूरी होने तक कार्रवाई की जरूरत नहीं : पुलिस :** दान राशि और आभूषणों के प्रबंधन में गड़बड़ियों को लेकर दी गई शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट लगा दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पहले से एसआईटी कर रही है, इसलिए उसकी रिपोर्ट आने तक किसी अलग कार्रवाई की जरूरत नहीं है।

अयोध्या के थाना राम जन्मभूमि पुलिस की जांच रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता ने समाचार पत्रों और सोशल मीडिया की खबरों के आधार पर दान और आभूषणों के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। शिकायत में कुछ लोगों के पास से नकदी मिलने का भी दावा किया गया है। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने कहा कि यदि एसआईटी की जांच के आधार पर केस दर्ज होता है तो उनकी समिति का नाम भी उसमें जोड़ा जाए। वहीं, यदि एसआईटी रिपोर्ट दर्ज नहीं करती है तो वह स्वयं कार्रवाई करेंगे।

**जांच पूरी होने तक कार्रवाई की जरूरत नहीं : पुलिस :** दान राशि और आभूषणों के प्रबंधन में गड़बड़ियों को लेकर दी गई शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट लगा दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पहले से एसआईटी कर रही है, इसलिए उसकी रिपोर्ट आने तक किसी अलग कार्रवाई की जरूरत नहीं है।

**राम मंदिर परिसर :** अयोध्या के थाना राम जन्मभूमि पुलिस की जांच रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता ने समाचार पत्रों और सोशल मीडिया की खबरों के आधार पर दान और आभूषणों के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। शिकायत में कुछ लोगों के पास से नकदी मिलने का भी दावा किया गया है। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने कहा कि यदि एसआईटी की जांच के आधार पर केस दर्ज होता है तो उनकी समिति का नाम भी उसमें जोड़ा जाए। वहीं, यदि एसआईटी रिपोर्ट दर्ज नहीं करती है तो वह स्वयं कार्रवाई करेंगे।

**समाप्ति समारोह बना देगा अयोध्या का भंडाफोड़ :** सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या का भंडाफोड़ अधर्मियों के शताब्दी समारोह को समाप्ति समारोह बना देगा। इस तरह से उन्होंने बिना नाम लिए आरएसएस पर निशाना साधा है।

## इतिहास रचने की है तैयारी, एक विकेट लेते ही चमकेगी दीप्ति की पारी

**आगरा , एजेंसी।** क्रिकेट में कुछ पल ऐसे होते हैं जो सिर्फ रिकॉर्ड नहीं बनाते बल्कि इतिहास रच देते हैं। रविवार को आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाला मुकाबला आगरा की बेटी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के लिए ऐसा ही एक ऐतिहासिक पल लेकर आया है।

दीप्ति उस कीर्तिमान से सिर्फ एक विकेट दूर हैं जो उन्हें महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बना देगा। इस समय तीनों प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर दीप्ति शर्मा के नाम 354 विकेट दर्ज हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक विकेट हासिल करते ही वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन जाएंगी। विश्वकप जैसे बड़े मंच पर यह रिकॉर्ड बनने की संभावना मुकाबले को और भी रोमांचक बना रही है।दीप्ति की इस संभावित उपलब्धि को और खास बनाती है इसकी दिलचस्प पृष्ठभूमि। 28 नवंबर, 2014 को बंगलूरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में ही उन्होंने भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने पहले ही मुकाबले में दो विकेट लेकर उन्होंने भविष्य के बड़े संकेत दे दिए थे। अब 12 वर्ष बाद वही दक्षिण अफ्रीकी टीम अब उनके ऐतिहासिक रिकॉर्ड की साक्षी बन सकती है।

दीप्ति की इस संभावित उपलब्धि में आगरा के लोग सहभागी बनने को आतुर हैं। उनमें गजब का उत्साह है। जिला क्रिकेट संघ, विभिन्न क्रिकेट अकादमियों के खिलाड़ी, कोच और खेल प्रेमी इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।रविवार को होने वाला भारत-दक्षिण अफ्रीका मुकाबला केवल विश्वकप की अंकतालिका के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं होगा बल्कि दीप्ति के कॅरिअर का सबसे यादगार दिन भी बन सकता है। पूरे शहर की निगाहें अब उस एक विकेट पर टिकी हैं, जो उन्हें महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल गेंदबाज बनाएगा।

## 1857 के क्रांति नायक अमर शहीद ठाकुर दुर्गा सिंह के वंशज दिल्ली में सम्मानित

### दादा साहब फाल्के भारत गौरव सम्मान-2027 से नवाजे गए परिवार के सदस्य

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** दिल्ली में आयोजित एक सम्मान समारोह में धौलाना के 1857 की क्रांति के नायक अमर शहीद ठाकुर दुर्गा सिंह गहलोत के वंशजों को दादा साहब फाल्के भारत गौरव सम्मान-2027 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजश्री फिल्म प्रोडक्शन एंड अकादमी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में संस्था की निदेशक राजश्री वर्मा ने शहीद ठाकुर दुर्गा सिंह के वंशज विजय शिशोदिया, मिथलेश शिशोदिया तथा चंद्रमुखी राणा को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके पूर्वजों के अद्वितीय बलिदान को नमन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजश्री वर्मा ने कहा कि ये उन महान वीर शहीदों के वंशज हैं, जिनके त्याग, साहस और बलिदान के कारण आज देश स्वतंत्र वातावरण में सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे गौरवशाली परिवार से मिलना और उनका सम्मान करना उनके लिए गर्व एवं सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों की गाथा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और समर्पण की प्रेरणा देती रहेगी। सम्मान प्राप्त करने वाले परिवार के सदस्यों ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनके परिवार का नहीं, बल्कि उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों का सम्मान है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अमर शहीद ठाकुर दुर्गा सिंह गहलोत के योगदान को याद करते हुए उनके बलिदान को नमन किया और कहा कि ऐसे महान सेनानियों की स्मृतियों को संजोकर रखना समाज और राष्ट्र का दायित्व है।

## यक्ष ऐप की फीडिंग और रिपीट ऑफेंडर्स की निगरानी की डीआईजी ने की समीक्षा

**मेरठ (शिखर समाचार)।** मेरठ परिक्षेत्र के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने यक्ष ऐप पर की जा रही फीडिंग और बार बार अपराध करने वाले अपराधियों (रिपीट ऑफेंडर्स) की निगरानी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खराब निगरानी के कारण यदि कोई अपराधी दोबारा अपराध करता है तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही जेल जाने वाले अपराधियों का विवरण यक्ष ऐप पर समयबद्ध तरीके से दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

डीआईजी ने बताया कि यक्ष ऐप अपराधियों के डिजिटल प्रोफाइल, सत्यापन, निगरानी, सूचना संकलन और विश्लेषण का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। परिक्षेत्र में कई आपराधिक घटनाओं के सफल खुलासे में इस ऐप की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र स्थित डिलीसियस बेकर्स गोलीकांड का उदाहरण देते हुए बताया कि यक्ष ऐप के एसओएस और ब्रॉडकास्ट फीचर के माध्यम से संदिग्ध वाहन की सूचना प्रसारित की गई थी, जिसके आधार पर परीक्षितगढ़ पुलिस ने किठौर बस स्टैंड पर वाहन को रोककर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा घटना में प्रयुक्त पिस्टल, कारतूस और कार बरामद की थी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति को और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय यक्ष ऐप के माध्यम से पारंपरिक निवारक पुलिसिंग से आगे बढ़कर सक्रिय पुलिसिंग को मजबूत कर रहा है। इसी उद्देश्य से रेंज के सभी जनपदों में विशेष अभियान चलाकर हिस्ट्रीशीटरों के आंकड़ों की शत प्रतिशत शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक हिस्ट्रीशीटर का भौतिक सत्यापन कर सूचनाओं को यक्ष ऐप में अद्यतन किया जा रहा है।

समीक्षा के दौरान डीआईजी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक हिस्ट्रीशीटर का माता का नाम, उपनाम, पहचान चिन्ह, जन्मतिथि और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। अपराधियों के नवीनतम फोटोग्राफ, पहचान पत्र, ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य उपलब्ध दस्तावेज भी ऐप पर अपलोड किए जाएं। जमानतदार, रिश्तेदारों और मित्रों से संबंधित विवरण तथा प्राथमिकी संबंधी सूचनाओं को पूरी तरह सही और अद्यतन रखा जाए। आपराधिक इतिहास में दर्ज मुकदमों के नंबर और धाराओं का सही मिलान कर त्रुटियों को दूर किया जाए तथा हाल में दर्ज मुकदमों का विवरण भी समय पर अपडेट किया जाए।

उन्होंने थाना प्रभारियों को हिस्ट्रीशीटरों के आंकड़ों की नियमित समीक्षा और सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं क्षेत्राधिकारी और पुलिस अधीक्षक स्तर से आकस्मिक जांच कर आंकड़ों की गुणवत्ता परखने को कहा गया। डीआईजी ने एसओएस और ब्रॉडकास्ट फीचर का अधिकतम उपयोग कर अपराध, संदिग्ध गतिविधियों, वांछित अपराधियों और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का त्वरित प्रसारण करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी, सत्यापन और बीट सूचना के दौरान प्राप्त जानकारी को केवल औपचारिकता न मानते हुए वास्तविक फील्ड इंटेलिजेंस के रूप में उपयोग किया जाए, ताकि अपराधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके और सक्रिय पुलिसिंग को और मजबूती मिले।

## पुलिस लाइन में नवनिर्मित पुलिस कैंटीन का उद्घाटन

**शामली (शिखर समाचार)।** पुलिस लाइन परिसर में सोमवार को नवनिर्मित पुलिस कैंटीन का उद्घाटन किया गया। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने फीता काटकर कैंटीन का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने कैंटीन का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा इसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों को दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस कैंटीन की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि जनपद पुलिस अपने कार्मिकों के कल्याण और सुविधाओं के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी पुलिसकर्मियों के हित में ऐसे कल्याणकारी प्रयास निरंतर किए जाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि कैंटीन के संचालन से पुलिसकर्मियों को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता में आसानी होगी। साथ ही उनके समय और संसाधनों की भी बचत होगी, जिससे उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# महिला बोली- बेटे की कसम देकर आश्रम ले गए बाबा, अश्लील हरकतें कर दुष्कर्म का किया प्रयास

**कानपुर, एजेंसी।** देवराहट थाने के चैन का पुरवा स्थित आश्रम से भाग कर भोगनीपुर थाना पहुंची औरैया के फफूंद की महिला ने एक बाबा पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया था। साथ ही अपने दो देवरों व बाबा के शिष्यों पर मारपीट कर गला दबाकर जान से मारने का आरोप लगाया था। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी बाबा व उसके उसके एक शिष्य को गिरफ्तार किया है।

देवराहट थानाध्यक्ष सौरभ राणा ने बताया कि शुक्रवार सुबह मुखबिर की सूचना पर जल्लापुर मोड़ के पास से चैन का पुरवा निवासी बाबा हरिओम यादव व दीपक को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पुलिस से छिपते हुए भाग रहे थे। इनके खिलाफ शुक्रवार औरैया के फफूंद कस्बा के एक वार्ड में किराये के मकान में रहने वाली महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया था कि उसके पति कोटा राजस्थान में वेल्डर का काम करते हैं। बताया कि एक जून की शाम छह बजे उसके ससुर ने फोन कर घर में एक महात्मा के आने की जानकारी दी। इस पर वह अपनी ससुराल चली गई थी। वहां दो जून की सुबह छह बजे हरिओम यादव, उनके साथी कुंदन, दीपक व चार पांच अन्य लोग आए थे। इन लोगों ने घर में पूजा-पाठ करने के बाद उसके ऊपर कई काली छाया का प्रभाव होने की बात कही। उसे इन सभी से मुक्ति का झांसा देकर अपने दरबार हरिधाम सरकार कालिंद्री तट चैन का पुर्वा आकर प्रसाद चढ़ाने की बात कही।

हरिओम यादव ने पूजा के नाम पर उससे 40 हजार रुपये भी ले लिए। 15 जून की सुबह उसके दो देवर फफूंद स्थित किराये के कमरे पर आए और बेटे की कसम देकर बाबा के आश्रम ले गए। आरोप लगाया है कि वहां बाबा हरिओम यादव पूजा करने के बहाने उसको अलग कमरे में ले गया और पूजा के नाम पर अश्लील हरकतें करते दुष्कर्म का

प्रयास किया। विरोध पर बाबा ने उसके देवरों व शिष्य दीपक, कुंदन सहित अन्य को बुलाकर उसके साथ मारपीट कर गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। वह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूट कर भाग निकली और गंभीर हालत में भोगनीपुर थाना पहुंची वहां पुलिस ने उसका उपचार करवाया।

**बाबा बोला- निर्दोष हूं मैं, षड़यंत्र के तहत फंसाया जा रहा-** पुलिस ने बाबा हरिओम यादव को गिरफ्तार करने के बाद कड़ी सुरक्षा में डॉक्टरी परीक्षण करवाने के लिए पुखरायां सीएचसी ले गई। इसके बाद बाबा को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से जेल भेजे जाने के दौरान बाबा ने वार्ता के दौरान कहा कि ये सारे झूठे लांछन तो सनातनियों पर सदा लगते चले आए हैं और लग रहे हैं। सभी बाबाओं पर अंगुली उठाई जा रही है। मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। ये जो महिला को दिबियापुर औरैया का एक नेता साथ में लिए घूम रहा है उसी का षड्यंत्र है। उस नेता ने एक बार उनको फोन करके भी कहा था कि बाबा हम तुमको देख लेंगे।

**बाबा के यू ट्यूब पर 9.3 हजार फॉलोअर-** चैन का पुरवा निवासी हरिओम यादव अपने आश्रम में दरबार लगाने के साथ सोशल मीडिया पर भी सक्रिय है। बाबा की ओर से हरिधाम सरकार के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चैनल भी चलाया जा रहा। जिसको करीब 9300 लोग फॉलो करते हैं। इस चैनल पर बाबा की करीब 1200 वीडियो पोस्ट हैं जबकि बाबा की इंस्टाग्राम आईडी भी हरिधाम सरकार ने नाम से है। यहां भी 3813 लोग बाबा को फॉलो करते हैं। इन सोशल मीडिया एकाउंट्स पर पोस्ट की गई वीडियो व रील में बाबा की ओर से गंभीर से गंभीर बीमारियों का लौंग और एक बोतल पानी से उपचार करने का दावा किया जाता है। इसी के चलते हरिओम यादव का नाम बोतल बाबा के नाम से मशहूर हो गया था।

# जिला निर्यात हब योजना को मजबूत बनाने पर मंथन, निर्यातकों की समस्याओं के समाधान पर जोर

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** जनपद गौतमबुद्धनगर को 'जिला निर्यात हब' के रूप में और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्यात संवर्धन से जुड़े विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें निर्यातकों, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में उप महानिदेशक विदेश व्यापार हेमंत कुमार ने विदेश व्यापार महानिदेशालय की वर्तमान और प्रस्तावित पहलों, निर्यात को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण से संबंधित विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि गौतमबुद्धनगर प्रदेश के सभी जनपदों में निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखता है और उत्तर प्रदेश के कुल निर्यात में इसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

एचएचईडब्ल्यूए एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.पी. शर्मा ने निर्यातकों की व्यावहारिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय, सीमा शुल्क विभाग तथा एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन से जुड़ी चुनौतियों पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि एडवांस ऑथराइजेशन एवं ईपीसीजी लाइसेंस के संशोधन और समापन की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो रहा है। इसके अलावा आयातक-निर्यातक कोड प्रोफाइल तथा डिजिटल हस्ताक्षर के अद्यतन में भी तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

निर्यातकों ने सीमा शुल्क विभाग से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इनलैंड कंटेनर डिपो पर माल की जांच में अत्यधिक समय लगता है। वैल्यूएशन और क्लासिफिकेशन से संबंधित मामलों में बार-बार पूछताछ, आईजीएसटी रिफंड के निस्तारण में देरी तथा अधिकारियों और निर्यातकों के बीच समुचित समन्वय का अभाव भी प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्यातकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद को एक मजबूत निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उप महानिदेशक विदेश व्यापार हेमंत कुमार ने निर्यातकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी तथा विभाग हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। बैठक में उपायुक्त उद्योग एवं सदस्य सचिव पंकज निर्वाण ने निर्यात वृद्धि के लिए विभागीय समन्वय और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बैठक में भारत दीप, अनिल अग्रवाल, अनभय साध, पी.के. कपूर, शशि नांगिया सहित अनेक निर्यातक और उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# ग्रेनो प्राधिकरण ने खोदना खुर्द में 12 करोड़ की भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम खोदना खुर्द में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 6000 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत करीब 12 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रवि कुमार के निर्देश पर भूलेख एवं परियोजना विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम खोदना खुर्द के खसरा संख्या 502 स्थित भूमि पर कुछ कॉलोनाइजर अवैध रूप से प्लॉटिंग करने का प्रयास कर रहे थे। संबंधित भूमि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त संपत्ति है। इस पर अवैध कब्जे और निर्माण की सूचना मिलने पर प्राधिकरण ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई।

परियोजना विभाग के कार्य वृ1-2 की ओर से वरिष्ठ प्रबंधक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में प्रबंधक रोहित गुप्ता, पर्यवेक्षकों तथा प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों की टीम ने सोमवार दोपहर अभियान चलाकर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। करीब दो घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान अवैध प्लॉटिंग और निर्माण संबंधी गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना अनुमति अथवा स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में किसी भी भूमि या भूखंड की खरीद से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से उसकी पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि अवैध कॉलोनियों में निवेश कर आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने बताया कि भविष्य में भी अवैध कब्जों और अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दोबारा अतिक्रमण या अवैध निर्माण का प्रयास किए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा, आवारा कुत्तों के प्रबंधन और नाला सफाई पर डीएम का जोर

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की। उन्होंने नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को विभिन्न जनहित के मुद्दों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आवारा कुत्तों से संबंधित शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के नियमों और दिशा निर्देशों के अनुरूप की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवारा कुत्तों के प्रबंधन के दौरान किसी भी प्रकार की क्रूरता नहीं बरती जानी चाहिए तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए।

बरसात के मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी ने नाला और नाली सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सफाई कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।

उन्होंने नगर क्षेत्रों में लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए केवल स्वीकृत होर्डिंग और अधिकृत यूनिपोल स्थलों पर निर्धारित मानकों के अनुसार सामग्री लगाने पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने प्रमुख मार्गों, बाजारों, चौराहों, सार्वजनिक स्थलों, नालों, नालियों और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों की पहचान कर उन्हें नियमानुसार तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रों को स्वच्छ, सुगम और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नियमित अभियान चलाए जाएं।

बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पात्र रेहड़ी पटरी व्यवसायियों को योजना का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# विद्युत व्यवस्था और राजस्व वसूली में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : डीएम

**शामली (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, राजस्व वसूली तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत संबंधी खराबियों और उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, बकाया विद्युत बिलों की वसूली में तेजी लाने तथा उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं लंबित कार्यों की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप जनहित में बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्युत व्यवस्था और राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# धारदार हथियार से जानलेवा हमले के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)।** अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने ग्राम नानपुर में धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने की घटना में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार थाना गढ़मुक्तेश्वर में दर्ज मुकदमा संख्या 242/2026, धारा 191(2), 191(3), 117(2), 352 एवं 109(1) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त को ग्राम नानपुर से फतेहपुर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अदनान पुत्र वली मोहम्मद निवासी ग्राम नानपुर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस टीम द्वारा की गई।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक युवराज सिंह, कांस्टेबल मनीष कुमार एवं रिटायर्ड कांस्टेबल हरिकिशन शामिल रहे।

# राजनीतिक द्वेष के चलते लगाए जा रहे झूठे आरोप : अश्वनी पंवार

**शामली (शिखर समाचार)।** कस्बा एलम की नगर पंचायत चेयरमैन रीना पंवार के पति एवं भाजपा नेता अश्वनी पंवार ने समाजवादी पार्टी से जुड़े कुछ लोगों पर उन्हें बेवजह बदनाम करने और उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए भ्रष्टाचार तथा अन्य सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया।

शहर के एक रेस्टोरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में रीना पंवार और अश्वनी पंवार ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर लगाए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि नगर पंचायत में कराए जा रहे विकास कार्यों से बौखलाकर कुछ लोग उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। अश्वनी पंवार ने कहा कि कुछ व्यक्तियों से उनकी पुरानी रंजिश है और हाल के दिनों में उनकी हत्या की साजिश भी रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा संबंधी कारणों के चलते शासन की ओर से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि उनकी जवाबदेही जनता के प्रति है और नगर पंचायत में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। पूर्व चेयरमैन द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जिस भूमि को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है, उसे राजस्व अधिकारियों द्वारा चिन्हित किए जाने के बाद जनवरी माह में चारदीवारी कराई गई थी। निर्माण कार्यों के लिए विधिवत निविदाएं भी जारी की गई थीं, लेकिन कुछ लोगों ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों के साथ अभद्रता और मारपीट की, जिसके संबंध में प्रशासन ने कार्रवाई की थी।

अश्वनी पंवार ने आरोप लगाने वाले कुछ व्यक्तियों के आपराधिक इतिहास का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके विरुद्ध विभिन्न जनपदों में मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अपने ऊपर लगाए गए हत्या के आरोपों के संबंध में उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में तत्कालीन राजनीतिक दबाव के चलते उन्हें एक मामले में नामजद किया गया था, लेकिन बाद में सीबीसीआईडी जांच में उन्हें दोषमुक्त पाया गया।

उन्होंने कहा कि उनका परिवार पिछले चार पीढ़ियों से कस्बे की जनता की सेवा करता आ रहा है। नगर पंचायत के सभी टेंडरों में पारदर्शिता बरती जाती है और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर पंचायत चेयरमैन रीना पंवार स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हैं तथा उनके कार्यों में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं है। पशुचार भूमि और अन्य खसरों से संबंधित लगाए गए आरोपों को भी उन्होंने तथ्यहीन बताते हुए कहा कि उनके परिवार का किसी सरकारी भूमि पर कोई अवैध कब्जा नहीं है।

पत्रकार वार्ता में राजेन्द्र सिंह, सुधीर पंवार, जसबीर, देवेन्द्र सिंह, तेजपाल, राहुल तथा बबलु शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# पिलखुवा की बेटी प्रस्तुति शर्मा ने नागालैंड में बढ़ाया प्रदेश का मान

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** पिलखुवा की प्रतिभाशाली बेटी प्रस्तुति शर्मा ने नागालैंड में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर जनपद हापुड़ और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भूमिका की व्यापक सराहना हो रही है। प्रस्तुति शर्मा हिंदी अकादमी दिल्ली के पूर्व उपसचिव एवं आकाशवाणी उद्घोषक ऋषि कुमार शर्मा की पुत्री तथा समाजसेवी मनोज कुमार शर्मा 'जॉनी' की भतीजी हैं।

भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रस्तुति शर्मा को नागालैंड के सभी 17 जिलों में कार्य करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह पिछले तीन माह से नागालैंड के शिक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित कर नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यरत हैं।

गत 19 जून को कोहिमा स्थित राज्य सचिवालय सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रस्तुति शर्मा और उनकी टीम ने लगभग 300 अधिकारियों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, शोधार्थियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न पहलुओं तथा उसके क्रियान्वयन की रूपरेखा पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में नीति के उद्देश्यों, चुनौतियों और संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर नागालैंड सरकार में स्कूल शिक्षा एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के सलाहकार डॉ. केखिलहोलिये यहोमे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से राज्य को देश की मुख्यधारा से और अधिक सशक्त रूप से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने राज्य में नीति को शीघ्र लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रस्तुति शर्मा और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की।

प्रस्तुति शर्मा प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्हें चीन में शोध कार्य के लिए एक वर्ष की छात्रवृत्ति मिली। शोध कार्य पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने असम सरकार के शिक्षा विभाग में सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए नागालैंड सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने प्रस्तुति शर्मा और उनकी टीम को विशेष रूप से सम्मानित किया। कोहिमा में आयोजित इस कार्यक्रम में उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

पिलखुवा की बेटी की इस उपलब्धि से नगरवासियों में खुशी और गर्व का माहौल है। परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है।

# यमुना एक्सप्रेसवे हादसा : हाईवा चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने की रिपोर्ट दर्ज

**जेवर (शिखर समाचार)।** यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार को एयरपोर्ट इंटरचेंज के निकट हुए सड़क हादसे में मृत पुलिसकर्मी के पुत्र ने हाईवा चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कोयना निवासी अभिषेक यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता राजेंद्र सिंह मथुरा पुलिस लाइन में मुख्य आरक्षी पद पर तैनात थे। रविवार को वह मांट विधायक राजेश चौधरी की सुरक्षा ड्यूटी में जेवर एयरपोर्ट जा रहे थे। राजेंद्र सिंह अपने सहकर्मियों के साथ एक बोलेरो वाहन में सवार होकर यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते एयरपोर्ट इंटरचेंज पर पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार हाईवा के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर के आधार पर हाईवा चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

# 40 दिवसीय सामूहिक सुखमनी साहिब पाठ का सम्मान समारोह के साथ समापन

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** धामपुर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में स्त्री सत्संग सभा के तत्वावधान में आयोजित 40 दिवसीय सामूहिक सुखमनी साहिब पाठ एवं गुरुवाणी कीर्तन उच्चारण कार्यक्रम का श्रद्धा और उत्साह के साथ समापन हुआ। समापन अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग देने वाली सेविकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्त्री सत्संग सभा की जत्थेदार महेंद्र कौर खालसा ने कहा कि सुखमनी साहिब का पाठ आध्यात्मिक शांति, सुख और समृद्धि का स्रोत है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नियमित रूप से सुखमनी साहिब का पाठ और श्रवण करता है, वह जीवन में प्रगति, उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है। गुरुवाणी मनुष्य को सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। समापन समारोह में कार्यक्रम के दौरान सेवा, सहयोग और समर्पण भाव से योगदान देने वाली अनेक सेविकाओं को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में जसविंदर कौर मोगा, संजम मोगा, राजेंद्र कौर, इंद्रजीत कौर चावला, महेंद्र कौर चावला, जसवीर कौर, सर्वजीत कौर सीडाना, अंजू दुआ, अमनप्रीत कौर सीडाना, मनजीत कौर सेठी, गीता आनंद, प्रकाश कौर चावला, स्वीटी चावला, कुलवंत कौर, कुलदीप कौर, जगमीत कौर, सुरजीत कौर, सोनिया रानी, सतविंदर कौर, सविता रानी, सुरेंद्र कौर, जसपाल कौर, बिंदिया रानी, सरिता रानी, स्वीटी आनंद, अमरजीत कौर सीडाना, मनजीत कौर, रोजी रानी, डोली रानी, सिमरन कौर, सिल्की चावला तथा सविता गुगलानी सहित अन्य सेविकाएं शामिल रहीं। समारोह के दौरान गुरुवाणी कीर्तन और धार्मिक विचारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। उपस्थित संगत ने गुरु घर की परंपराओं के अनुरूप सेवा, सिमरन और सत्संग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

# ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करते ही व्यापारी के तीन क्रेडिट कार्डों से उड़े हजारों रुपये, साइबर ठगी का शिकार

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** बढ़ापुर कस्बे के एक व्यापारी साइबर ठगी का शिकार हो गए। ठगों ने कथित रूप से एक संदिग्ध ऑनलाइन लिंक के माध्यम से उनके बैंक खातों और क्रेडिट कार्डों तक पहुंच बनाकर हजारों रुपये की धोखाधड़ी कर ली। पीड़ित ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार बढ़ापुर निवासी अंशु गुप्ता, जो गुप्ता टेलीकॉम के संचालक हैं, दो दिन पूर्व एक बैंक का ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड बनवाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक लिंक प्राप्त हुआ। पीड़ित का आरोप है कि लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक ऑफ बड़ौदा के क्रेडिट कार्ड से 47,893 रुपये की राशि कट गई। अंशु गुप्ता के मुताबिक लगभग दो घंटे बाद उनके एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से भी 7,245 रुपये निकाल लिए गए। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साथ ही एहतियात के तौर पर अपना मोबाइल फोन रीसेट कर सिम कार्ड दूसरे मोबाइल फोन में स्थानांतरित कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि इसके बावजूद साइबर अपराधियों ने उनकी सिम को हैक कर लिया और अगले दिन उनके एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से 33,842 रुपये का ऑनलाइन भुगतान कर एक एलईडी बुक कर ली, जिसकी डिलीवरी कोलकाता में प्राप्त कर ली गई। व्यापारी का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी उनके खातों और क्रेडिट कार्डों से लेन-देन की प्रक्रिया जारी रही, जिससे उन्हें लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने संबंधित एजेंसियों से मामले की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा उनकी धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए और संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत बैंक तथा साइबर हेल्पलाइन को सूचित करना चाहिए।

# सिखों पर कथित हमले के विरोध में भाकियू का प्रदर्शन, पुतला फूंकने को लेकर पुलिस से नोकझोंक

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** उत्तराखंड में सिख समुदाय के लोगों पर हुए कथित हमले के विरोध में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने तहसील चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उत्तराखंड सरकार का पुतला फूंकने के प्रयास को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक तथा धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शन के दौरान भाकियू कार्यकर्ता सुबह से ही तहसील चौराहे पर एकत्रित हो गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ता अपने साथ लाए गए पुतले को आग के हवाले करने की तैयारी कर रहे थे। मौके पर पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हें ऐसा करने से रोकने का प्रयास किया।

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच पुतले को लेकर काफी देर तक छीनाझपटी होती रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अंततः पुलिस ने पुतले को अपने कब्जे में लेकर पुतला दहन के प्रयास को विफल कर दिया।

भाकियू नेताओं ने कहा कि सिख समुदाय पर हुआ हमला अत्यंत निंदनीय है और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपितों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए गए तो संगठन का आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। घटना को लेकर कुछ समय तक तहसील चौराहे पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

# संपादकीय

## लखनऊ की आग और व्यवस्था की राख में दबते सवाल

लखनऊ के अलीगंज स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार को हुई भीषण अग्निकांड की घटना केवल एक शहर या एक भवन की त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की उस विफल व्यवस्था का प्रतीक है जो हर हादसे के बाद शोक व्यक्त करती है, मुआवजे की घोषणा करती है और फिर अगले हादसे तक सब कुछ भूल जाती है। तीन मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। जान बचाने के लिए छात्र, कर्मचारी और अन्य लोग ऊंचाई से कूदने को मजबूर हुए। कई लोग पाइपों के सहारे नीचे उतरे। देर शाम तक मृतकों की संख्या 15 तक पहुंचने की खबर सामने आई, जबकि अनेक लोग घायल हुए और कई गंभीर अवस्था में अस्पतालों में भर्ती कराए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भवन में नीचे पालतू पशुओं की दुकान थी, जबकि ऊपर कोचिंग, गेमिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण, त्रि-आयामी कला स्टूडियो और पुस्तकालय जैसी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोगों को बाहर निकलने का अवसर तक नहीं मिला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक जताया है। प्रशासनिक अधिकारी, दमकल विभाग और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी ताकत से राहत कार्य में जुटी रहीं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल संवेदनाएं और मुआवजा उन परिवारों की भरपाई कर सकते हैं जिन्होंने अपने बच्चों, भाई-बहनों और प्रियजनों को खो दिया है? क्या हर बार यही क्रम दोहराया जाएगा हादसा, शोक, जांच और फिर खामोशी?

देश में आग की घटनाएं अब अपवाद नहीं रह गई हैं। अस्पतालों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों, कारखानों, होटल, रेस्तरां और झुग्गी बस्तियों में हर वर्ष सैकड़ों लोग आग की भेंट चढ़ जाते हैं। कहीं शॉर्ट सर्किट कारण बताया जाता है, कहीं गैस सिलेंडर, कहीं विद्युत उपकरणों की खराबी और कहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी। लखनऊ में पिछले महीनों के आंकड़े भी बताते हैं कि बड़ी संख्या में आग की घटनाएं बिजली व्यवस्था की खामियों और ओवरलोडिंग से जुड़ी रही हैं।

सवाल केवल आग लगने का नहीं है। सवाल यह है कि जिन इमारतों में प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे और युवा आते हैं, वहां अग्निशमन यंत्रों की स्थिति क्या है? क्या आपातकालीन निकास द्वार मौजूद हैं? क्या भवनों का नियमित सुरक्षा ऑडिट होता है? क्या स्थानीय निकाय और अग्निशमन विभाग समय समय पर निरीक्षण करते हैं? और यदि करते हैं तो फिर ऐसी इमारतें संचालन की अनुमति कैसे प्राप्त कर लेती हैं? लखनऊ की घटना ने एक बार फिर दिखा दिया कि अधिकांश भवनों में सुरक्षा व्यवस्था कागजों तक सीमित है। जब संकट आता है तो लोग सीढ़ियों, खिड़कियों और पाइपों के सहारे अपनी जान बचाने को मजबूर हो जाते हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि भारत में हादसों की स्मृति बहुत छोटी होती है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों से लेकर अस्पतालों, औद्योगिक इकाइयों और बाजारों तक अनेक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार जांच समिति गठित होती है। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की घोषणा होती है। कुछ दिनों तक प्रशासनिक सक्रियता दिखाई देती है। फिर धीरे धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अग्निशमन प्रमाणपत्रों की जांच भी अभियान बनकर रह जाती है। जिन अधिकारियों को निगरानी करनी चाहिए, वे फाइलों में व्यस्त हो जाते हैं और जिन संस्थानों को नियमों का पालन करना चाहिए, वे खर्च बचाने के लिए सुरक्षा उपायों की अनदेखी करते रहते हैं। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि देश में रोजाना कहीं न कहीं आग, भवन ध्वंस, सड़क दुर्घटना या औद्योगिक हादसे में दर्जनों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। दो चार दर्जन मौतें अब समाचार बनती हैं, लेकिन व्यवस्था के लिए चेतावनी नहीं बनतीं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। नागरिकों का जीवन किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी है। विकास, निवेश, स्मार्ट सिटी और आधुनिक अवसंरचना की चर्चा तब तक अधूरी है जब तक आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे।

~ मौलिक चिंतन ~

**संत सत्ता में आते हैं तो राजनीति उनके आचरण और व्यवहार को बदल देती है।**

© विनय संकोची

# राष्ट्रवाद, एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रणेता : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

सौरभ वार्ष्णेय

यह सत्य है कि कुछ महापुरुष कुछ समय के लिए पृथ्वी अवतरित होकर इस जग के लिए महान कार्य कर कालजयी हो जाते हैं ऐसे ही एक महापुरुष हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हुए जिनकी आज 23 जून 2026 को पुण्यतिथि है। हम श्री मुखर्जी को एक राजनीतिक घटना से ही याद नहीं करते वरन उनके महान कार्यों के लिए उन्हें याद करेंगे। भारतीय जनसंघ के गठन से उनकी विरासत सदा सदा के लिए अमर हो गई। 23 जून भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन देश के प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद्, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। वर्ष 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण आज भी भारतीय राजनीति और समाज को प्रेरित करते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का उदाहरण रहा। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनका योगदान असाधारण रहा। स्वतंत्रता के बाद वे देश की पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए, लेकिन राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना उचित समझा। यह उनके सिद्धांतवादी व्यक्तित्व का प्रमाण था। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरुद्ध था। उनका प्रसिद्ध नारा–एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे–राष्ट्रीय एकता की उनकी सोच को दशार्ता है। उनका मानना था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है तथा किसी भी राज्य के लिए अलग संवैधानिक व्यवस्था दीर्घकाल में राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं हो सकती।

**भारतीय जनसंघ के गठन से अमर हुई विरासत**

वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ में ही देखी जाती हैं। संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और लोकतांत्रिक संघर्ष की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वह आज भी भारतीय राजनीति में प्रभावी दिखाई देती है। हालांकि डॉ. मुखर्जी के विचारों और नीतियों पर समय-समय पर मतभेद भी रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि विभिन्न विचारधाराएं अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और जनता उनके आधार पर निर्णय लेती है। लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात निर्भीकता से रखी और सिद्धांतों के लिए राजनीतिक जोखिम उठाने से कभी पीछे नहीं हटे। आज जब देश अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों, वैचारिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का साधन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों पर गंभीर चिंतन का भी समय है। राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के प्रति उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र उनके प्रति कृतज्ञ है और आने वाली पीढि ?ां उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

21 अक्टूबर 1951 का दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इसी दिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजीर्के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। यह केवल एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत में वैचारिक राजनीति के एक नए अध्याय की शुरूआत थी। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद् और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने उस समय की सत्ता की नीतियों से वैचारिक मतभेद होने पर सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय एक नए राजनीतिक विकल्प की स्थापना का मार्ग चुना। भारतीय जनसंघ का उद्देश्य राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखकर राजनीति करना था। 21 अक्टूबर 1951 को स्थापित भारतीय जनसंघ ने धीरे-धीरे देश की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरोध में उनका संघर्ष आज भी याद किया जाता है। यद्यपि 1953 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और राजनीतिक दृष्टि जीवित रहे। जनसंघ आगे चलकर 1977 में जनता पार्टी का हिस्सा बना और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। आज देश की राजनीति में जिस वैचारिक धारा का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है, उसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को एक स्थायी वैचारिक दिशा दी और स्वयं को इतिहास में कालजयी बना लिया। उनका जीवन राष्ट्रहित, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

**एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे:**

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता का प्रबल उद्घोष था। यह उद्घोष भारत के महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने उस समय दिया था, जब जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक प्रावधानों के तहत अलग दर्जा प्राप्त था। आज उनकी पुण्यतिथि पर यह नारा भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधानमंत्री (वजीर-ए-आजम) की व्यवस्था थी। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था भारत की राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत है। उनका तर्क था कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहां के नागरिकों को भी वही संवैधानिक व्यवस्था प्राप्त होनी चाहिए जो देश के अन्य राज्यों में लागू है।इसी विचार को लेकर उन्होंने 1953 में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उस समय राज्य में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसका विरोध करते हुए बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया और उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान देने वाले नेता के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. मुखर्जी के इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनके द्वारा स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखा। बाद में यही विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल रही। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के निर्णय को अनेक लोग डॉ. मुखर्जी के सपने की पूर्ति के रूप में देखते हैं।हालांकि इस विषय पर राजनीतिक मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों का मानना था कि विशेष दर्जा जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट परिस्थितियों और पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक था। लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक समानता का प्रश्न सदैव महत्वपूर्ण बना रहेगा।

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह नारा और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, समान अधिकारों और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम तरीका यही है कि हम भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक आदर्शों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

# अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस- दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 130 वर्ष...

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्टस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है।

# सिनेमा के माध्यम से बदलती दुनिया का सृजनात्मक दस्तावेज

विनोद कुमार सिंह

**राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।**

मुम्बई आईएफएफ-2026 मे पोलैंड की 'सिल्वर' ने जीता गोल्डन कॉन्च,भारत की फिल्मों ने भी छोड़ी गहरी छाप...

मुम्बई में आयोजित 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य समापन केवल एक फिल्म समारोह का अंत नहीं,बल्कि सिनेमा की उस वैश्विक यात्रा का उत्सव था जो सभी सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे मानव अनुभवों को जोड़ती है। इस फिल्म समारोह में वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित यह प्रतिष्ठित महोत्सव एक बार फिर सिद्ध कर गया कि गैर-फीचर सिनेमा समाज के बदलते यथार्थ का सबसे सशक्त दस्तावेज है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा थे।उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में एम आई एफ एफ एक राष्ट्रीय आयोजन से विकसित होकर वैश्विक रचनात्मक आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'WAVES' शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि "Create in India, Create for the World" आज भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नया मंत्र बन चुका है।राज्यपाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग और फिल्मकारों की बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया।इस वर्ष एम आई एफ एफ को दुनिया भर से1459 फिल्मों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं,जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण है।प्रतियोगिता खंड में13 देशों की144 फिल्मों का चयन किया गया,जबकि गैर-प्रतियोगिता खंड में 46 देशों की 202 फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। कुल मिलाकर 83 घंटे से अधिक की स्क्रीनिंग और 24 विशेष क्यूरेटेड श्रेणियों ने महोत्सव को विश्व स्तरीय आयाम प्रदान किया।

पुरस्कारों की दृष्टि से एम आई एफ एफ-2026 अनेक यादगार उपलब्धियों का साक्षी बना।अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन कॉन्च पुरस्कार पोलैंड की फिल्म 'सिल्वर' को प्रदान किया गया। निर्देशक नतालिया कोनियार्ज और निमार्ता मैचेज कुबिकी की इस फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं और यथार्थपरक

प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया।अंतरराष्ट्रीय लघु कथा फिल्म श्रेणी में ईरान की 'अंडर द स्नो' को सिल्वर कॉन्च से सम्मानित किया गया,जबकि जर्मनी की एनीमेशन फिल्म 'मायाज सॉन्ग' ने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया। इन फिल्मों ने यह सिद्ध किया कि सीमित अवधि में भी गहरे मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।भारतीय फिल्मों ने भी अपनी रचनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। तमिल एनीमेशन फिल्म 'आर्मस्ट्रॉन्ग फ्रॉम अंगालम्मन टेम्पल स्ट्रीट' को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म का सिल्वर कॉन्च मिला। एफटीआईआई निर्मित लघु कथा फिल्म 'स्मॉल क्लाउड्स' ने सर्वश्रेष्ठ भारतीय लघु कथा फिल्म का सम्मान प्राप्त किया,जबकि निर्देशक साईनाथ एस.उस्काइकर की वृत्तचित्र फिल्म 'वाआई' को सर्वश्रेष्ठ भारतीय वृत्तचित्र फिल्म का पुरस्कार मिला।तकनीकी श्रेणियों में भी भारतीय प्रतिभाओं का दबदबा दिखाई दिया। 'टर्टल वॉकर' के लिए कृष्ण माखीजा को सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटो ग्राफर का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 'देवा आज पन व्हाय' के लिए अभय रुमडे को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन का सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय श्रेणी में रणधीर बिस्वास को 'स्मॉल क्लाउड्स' के लिए सिनेमेटोग्राफी तथा अखिल कृष्णन को 'मे-डे' के लिए संपादन पुरस्कार मिला। विशेष पुरस्कारों में ताइवान की फिल्म 'द होर्डर्स' को प्रमोद पाटी विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया।अंतरराष्ट्रीय फिल्म समीक्षकसंघ(एफआईपीआरईएससी आई)का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदीप केंचनुरु की फिल्म 'द हग ऑफ एम्प्टिनेस' को मिला।छात्र वर्ग में मिलन कुमार की फिल्म 'द ओल्ड बुल नोज,ऑर वन्स न्यू' को सम्मानित किया गया,जबकि दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक पुरस्कार पूजा टोलानी को उनकी फिल्म 'राजा' के लिए दिया गया।एम आई एफ एफ 2026 की एक विशेष उपलब्धि इसकी विषयगत विविधता रही। पर्यावरण, सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक विरासत,आदिवासी जीवन,मानवीय संघर्ष और बदलती तकनीकी दुनिया जैसे विषयों पर आधारित फिल्मों ने दर्शकों को गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान किया। इस वर्ष 'Echoes from North East' और 'मराठी फिल्मस' जैसी नई श्रेणियों को शामिल कर क्षेत्रीय कथाओं को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।आज जब व्यावसायिक सिनेमा अक्सर बाजार की अपेक्षाओं से संचालित होता है,तब एम आई एफ एफ जैसे मंच सिनेमा की बौद्धिक और सामाजिक भूमिका को जीवित रखते हैं।यह महोत्सव बताता है कि कैमरा केवल दृश्य रिकॉर्ड नहीं करता,वह इतिहास को संरक्षित करता है,प्रश्न पूछता है,संवेदनाएँ जगाता है और परिवर्तन की चेतना को जन्म देता है।एम आई एफ एफ-2026 का परदा भले ही गिर गया हो,लेकिन इसकी फिल्मों में उठाए गए प्रश्न, प्रस्तुत किए गए विचार और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ लंबे समय तक दर्शकों के मन-मस्तिष्क में जीवित रहेंगी।यही किसी भी महान फिल्म महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता होती है।अब सिनेमा प्रेमियों की निगाहें अगले अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले एम आई एफ एफ के अगले संस्करण पर टिक गई हैं,जहाँ दुनिया भर के कहानी कार फिर एक बार अपनी संवेदनाओं और सपनों के साथ उपस्थित होंगे।

# चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

**अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।**

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

### फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

### सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

### फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

### सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

### स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

### विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

### फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

### सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

### विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

# क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

### क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

### अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

# घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

**जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।**

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज़्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

### अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

### दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

### दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

### तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

## केरल सरकार जूट उद्योग को देगी नई संजीवनी, 157 करोड़ का बजट आवंटित

### श्रमिकों के वेतन संशोधन, निर्यात वृद्धि और आधुनिकीकरण पर रहेगा जोर

**अलप्पुझा।**

केरल सरकार ने जूट उद्योग के पुनरुद्धार और व्यापक सुधारों के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि राज्य बजट में इस क्षेत्र के लिए आवंटित 157 करोड़ रुपये इसकी पुनर्बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि सरकार पारंपरिक उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है, जिनमें अलप्पुझा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा जूट उद्योग भी शामिल है। चेन्निथला ने बताया कि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, सरकार ने जूट क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं के प्रबंध निदेशकों की बैठक बुलाई थी। श्रमिकों के वेतन संशोधन, कल्याणकारी लाभों, निर्यात बढ़ाने और नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहचान जैसे मुद्दों पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जा रहा है। उद्योग के आधुनिकीकरण और उसे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक कदम तय करने हेतु 4 जुलाई को अलप्पुझा में जूट उत्पादों के निर्यातकों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

## इस हफ्ते 4 दिन बैंक बंद रहेंगे, जरूरी काम निपटाने से पहले जानें पूरी लिस्ट

### मुहर्रम और साप्ताहिक छुट्टियों के कारण देश के कई हिस्सों में नहीं होगा कामकाज

**मुंबई ।**

अगर अगले हफ्ते बैंक से जुड़े कामकाज निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, 22 से 28 जून के बीच चार दिनों के लिए बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जून महीने के लिए कुल 11 छुट्टियों की लिस्ट जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और धार्मिक अवकाश शामिल हैं। हालांकि, कुछ छुट्टियां राज्यों या क्षेत्रों के हिसाब से अलग होती हैं, लेकिन राष्ट्रीय छुट्टियों पर देश भर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार, अगले सप्ताह 25, 26, 27 और 28 जून 2026 को बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 25 और 26 जून को मुहर्रम के कारण देश के कई इलाकों में बैंक बंद रहेंगे। 25 जून को विजयवाड़ा में अवकाश रहेगा, जबकि 26 जून को अगरतला, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची और श्रीनगर सहित कई प्रमुख शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद, 27 जून को चौथा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 28 जून को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हर दूसरे और चौथे शनिवार के साथ-साथ सभी रविवार को बैंक अनिवार्य रूप से बंद रहते हैं। जून 2026 में कुल चार रविवार और दो शनिवार (13 और 27 जून) अवकाश हैं। अतः, बैंक जाने से पहले अपनी योजना सुनिश्चित कर लें।

## एचआरवी फार्मा ने बिना प्लांट बनाया 400 करोड़ का एपीआई कारोबार

### कंपनी 50 से अधिक यूएसएफडीए-अनुमोदित साझेदारों के साथ काम करती है

**नई दिल्ली ।**

हैदराबाद की एचआरवी फार्मा ने फार्मा उद्योग के पारंपरिक मॉडल को चुनौती देते हुए बिना किसी विनिर्माण कारखाने के एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट (एपीआई) कारोबार में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी ने नियामकीय मंजूरी प्राप्त 50 से अधिक विनिर्माण साझेदारों के साथ मिलकर एक वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसके दम पर उसने वित्त वर्ष 2025 में 400 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है। एचआरवी फार्मा के एक प्रमुख अे धिवकारी के अनुसार, यह मॉडल विनिर्माण परिसंपत्तियों के बजाय नियामकीय खुलासे और ग्राहक संबंधों पर केंद्रित है, जिसे उन्होंने दुनिया का पहला वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म बताया है। कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में 60-65 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज की है और 700 से अधिक वैश्विक ग्राहकों को सेवाएँ देती है। इसका लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये की आय तक पहुंचना है, जबकि वित्त वर्ष 2027 तक 550 करोड़ रुपये का राजस्व अनुमानित है। 1 लाख रुपए के शुरुआती निवेश से शुरू हुआ यह एसेट-लाइट ढांचा कंपनी को बिना बाहरी पूंजी के विस्तार करने में सक्षम बनाता है ।

# शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

### सेंसेक्स 291, निफ्टी 89 अंक ऊपर आया

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 291.17 अंक बढ़कर 77,094.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89.80 अंक उछलकर प्रतिशत 24,102.90 पर बंद हुआ। आजज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक बढ़कर 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक उछलकर 18,897.00 पर बंद हुआ था। बाजार में डिफेंस और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी मीडिया मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं निफ्टी फार्मा,

निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी के शेयरों में गिरावट रही।

## रुपया बढ़त पर बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह यह पिछले बंद के स्तर से 4 पैसे कमजोर रहा। हालांकि, यह पिछले सप्ताह की मजबूती के बाद हुआ है, जब रुपये ने 0.8 फीसदी की शानदार वापसी की थी। यह लगभग 3 महीनों में उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उस दौरान रुपया 94.18 के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया था और मई के रिकॉर्ड निचले स्तर 97 से संभल गया था।

## भ्रामक विज्ञापनों को लेकर स्टोरिया और इंग्लिश ओवन पर एक-एक लाख का जुर्माना

### स्टोरिया के 100 फीसदी जूस और इंग्लिश ओवन के 100 फीसदी आटा ब्रेड के दावे झूठे पाए गए

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खाद्य उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड और इंग्लिश ओवन ब्रेड बनाने वाली मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने दोनों कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, वेबसाइट और सभी डिजिटल मंचों से इन गुमराह करने वाले दावों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स के उन विज्ञापनों का स्वतः संज्ञान लिया, जिनमें उत्पादों को 100 प्रतिशत नारियल पानी, 100 प्रतिशत अनार या अन्य जूस बताया गया था। विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों पर प्रचारित इन उत्पादों की जांच में पाया गया कि उनमें पानी और केवल 9.6 प्रतिशत नारियल पानी का सांद्रण था, जो दावों के विपरीत था। इसी तरह, प्राधिकरण ने इंग्लिश ओवन ब्रेड के विज्ञापनों की भी जांच की, जिनमें ''100 प्रतिशत आटा ब्रेड'' जैसे दावे किए गए थे। कंपनी ने स्वयं स्वीकार किया कि उसके ब्रेड में सिर्फ़ 87 प्रतिशत गेहूं का आटा था। पैकेजिंग पर '100 प्रतिशत गेहूं का आटा' और जीरो मैदा जैसे दावे उपभोक्ताओं को यह आभास कराते थे कि उत्पाद पूरी तरह आटे से बना है, जो कि भ्रामक था। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि कंपनियों द्वारा किए गए दावे उत्पाद की वास्तविक सामग्री से मेल खाने चाहिए।

# विदेशी मुद्रा आवक पर आरबीआई की पैनी नजर, बैंकों से मांगा दैनिक ब्योरा

### बाजार को आंकड़ों के सार्वजनिक होने की उम्मीद

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक-खाता (एफसीएनआर-बी) जमा, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा में उधारी से संबंधित आंकड़े रोजाना साझा करने का निर्देश दिया है। यह कदम विशेष रियायती योजना के तहत विदेशी मुद्रा आवक पर करीब से नज़र रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैंकों को 22 जून, 2026 से हर दिन शाम 6 बजे तक वित्तीय बाजार परिचालन विभाग को यह डेटा जमा करना होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई इन आंकड़ों को नियमित अंतराल पर, संभवतः साप्ताहिक रूप से सार्वजनिक करेगा। विशेष योजना और आरबीआई का उद्देश्य- इस साल 8 जून से 30 सितंबर के बीच जमा किए गए एफसीएनआर (बी) जमा आरबीआई की स्वैप सुविधा के लिए पात्र होंगे, जिसमें केंद्रीय बैंक हेजिंग (जोखिम प्रबंधन) से जुड़ी लागत का वहन करेगा।

एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरबीआई इस आमद पर करीबी नजर रखकर यह पता लगाना चाहता है कि क्या उसके नीतिगत उपाय बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आकर्षित कर पा रहे हैं और निर्धारित लक्ष्य हासिल हो रहे हैं या नहीं। आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बाजार को इस उपाय के प्रभाव का सटीक आकलन करने में मदद मिलेगी।

पिछली योजनाओं से तुलना और भविष्य की संभावनाएं- अतीत में, 2013 की ऐसी ही एक योजना के दौरान आरबीआई ने केवल चार बार एफसीएनआर (बी) आमद के आंकड़े जारी किए थे, जिससे 26 अरब की आवक हुई थी।

2016 में भी इस योजना के जरिये 26 अरब डॉलर की आमद हुई थी, जिसकी अवधि तीन महीने से थोड़ी कम थी।

हालांकि, वर्तमान योजना की अवधि लगभग चार महीने है और विशेषज्ञ अधिक बार रिपोर्टिंग की उम्मीद कर रहे हैं।

नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2013 के बाद से विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की आबादी में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय मूल के निवेशक आमतौर पर कम 'कंट्री रिस्क प्रीमियम' की मांग करते हैं, जिससे यह योजना अधिक आकर्षक बन जाती है। नोमुरा का अनुमान है कि 2026 की एफसीएनआर (बी) योजना से 55 अरब की रिकॉर्ड आवक हो सकती है।

जिसका अधिकांश हिस्सा अगस्त-सितंबर में आने की संभावना है।

नोमुरा नोट में कहा गया है कि भले ही डॉलर महंगा हो गया है, फिर भी यह योजना निवेशकों को बड़े अवसर देगी जिससे बेहतर रिटर्न प्राप्त होंगे।

वित्त वर्ष 2025-26 में एफसीएनआर (बी) आमद में गिरावट दर्ज की गई थी, जो 7.08 अरब डॉलर से घटकर 94.6 करोड़ डॉलर रह गई थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक कुल बकाया एफसीएनआर (बी) जमा 33.8

# स्टील बर्ड हाई-टेक की आय में प्रीमियम हेलमेट की हिस्सेदारी में बढ़ेगी

### अगले 5 साल में 2.5 करोड़ हेलमेट उत्पादन और 2,500 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

**मुंबई ।**

प्रमुख हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया ने अपने प्रीमियम खंड की हिस्सेदारी को 2032 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बढ़ती मांग के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। कंपनी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष में स्टीलबर्ड की कुल आय 869 करोड़ रुपए थी, जिसमें प्रीमियम खंड का योगदान पांच प्रतिशत से भी कम रहा। कपूर ने बताया, प्रीमियम खंड अभी कुल बाजार का पांच प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में (2032 तक) प्रीमियम हेलमेट बाजार की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी का प्रीमियम ब्रांड 'इग्नाइट' है, जिसके हेलमेट 3,000 रुपए से शुरू होते हैं। इस वृद्धि को

भुनाने के लिए, स्टीलबर्ड अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश से कंपनी अपनी निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 2.5 करोड़ हेलमेट प्रति वर्ष करेगी और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है। स्टीलबर्ड के वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में सात और नोएडा में तीन विनिर्माण संयंत्र हैं, साथ ही एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र भी है।

## घटती एफडी दरों के बीच चमकते यूएलआईपी, बैंक कर रहे ग्राहकों को आकर्षित

**नई दिल्ली ।**

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर घटती ब्याज दरों के बीच, देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) की ओर तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।

बाजार से जुड़े बेहतर रिटर्न और बीमा सुरक्षा के संयोजन के कारण यूएलआईपी को एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

हाल के वर्षों में यूएलआईपी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जहां निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में इनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है। कभी भारी-भरकम शुल्क और कम रिटर्न के कारण इसकी छवि खराब थी, लेकिन आईआरडीए के सख्त नियमों ने इसमें कई सुधार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी अवधि में इक्विटी आधारित यूएलपी ने औसतन 10-13 फीसदपी तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं से बेहतर माना जाता है।

## रांची में नाबार्ड के आम महोत्सव में 100 टन से ज़्यादा आम बिके

### तीन दिवसीय आयोजन ने जनजातीय किसानों को सीधा बाजार उपलब्ध कराया

**रांची ।**

झारखंड में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में विभिन्न किस्मों के 100 टन से अधिक आमों की बिक्री हुई, जिससे 60 लाख रुपये से अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया। 19 जून को शुरू हुए इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जनजातीय किसानों को उनके उत्पादों के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराना और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले आम खरीदने का अवसर प्रदान करना था। आमों की बिक्री औसतन 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से हुई। नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष ने महोत्सव को उपभोक्ताओं और संस्थानों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता नाबार्ड की जनजातीय विकास और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) प्रोत्साहन पहलों के प्रभाव को दर्शाती है। घोष ने उम्मीद जताई कि निर्यातक

और खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां अब राज्य के जनजातीय किसानों द्वारा उत्पादित आमों पर ध्यान देंगे और उनके संग्रहण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग व निर्यात की संभावनाएं तलाशेंगे।

## विदेशी निवेश आकर्षित करने को सेबी का बड़ा कदम, एफपीआई नियमों की होगी समीक्षा

### एक शेयर में निवेश की अनुमति और यूबीओ नियमों में ढील संभव

**नई दिल्ली ।**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) देश में सुस्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर रहा है। अगस्त 2023 में लागू हुए अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) के विस्तृत खुलासा प्रावधानों और एफपीआई के लिए निवेश से संबंधित अन्य शर्तों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एफपीआई को एक ही शेयर में निवेश करने की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। मौजूदा नियम के तहत एफपीआई को कम से कम तीन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है, जिससे कुछ विदेशी निवेशक असहज महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, नियमित यूबीओ की पहचान के लिए स्वामित्व सीमा में बदलाव पर भी बातचीत हो रही है। सेबी ने पहले यह अनिवार्य किया था कि जो एफपीआई अपने भारतीय प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा किसी एक कॉरपोरेट समूह में रखते हैं, उन्हें अतिरिक्त जानकारियां देनी होंगी। इस प्रावधान ने भी फंड प्रबंधकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी, हालांकि पिछले साल एयूएम सीमा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये कर नियमों में कुछ ढील दी गई थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतिम लाभकारी स्वामित्व की पहचान की भी समीक्षा की जा सकती है। पीएमएलए के तहत, किसी कंपनी में 10 फीसदी से अधिक शेयर रखने वाले किसी भी व्यक्ति की गहन पहचान अनिवार्य है, जिसे 2023 में 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया गया था। चूंकि दुनिया भर में यह सीमा 20 फीसदी है, इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के सुझाव दिए जा रहे हैं। यह कदम विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच अहम है, जिन्होंने मई और जून में भारी बिकवाली जारी रखी है।

## भारत का डेटा सेंटर बूम, 30 अरब डॉलर का निवेश, भविष्य की नींव

### भारत में डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंचेगी

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं के बावजूद, भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र एक अभूतपूर्व उछाल देख रहा है। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या, विश्व की सबसे अधिक डेटा खपत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वाकांक्षी मांगों से प्रेरित होकर, भारत 2030 तक अपनी डेटा सेंटर क्षमता को आठ गुना बढ़ाकर 8 गीगावाट तक पहुंचाने की राह पर है, जिसमें 30 अरब डॉलर से अधिक का पूंजीगत व्यय अपेक्षित है। भारत में फिलहाल 1 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है, जो इस वित्त वर्ष में दोगुनी हो जाएगी और 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक दिग्गज और अदाणी, रिलायंस, भारती, टाटा जैसे भारतीय समूह इस विस्तार में अग्रणी हैं। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं- भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 फीसदी हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक डेटा का 20 फीसदी उत्पन्न करता है, जबकि इसके पास वैश्विक डीसी क्षमता का केवल 3 फीसदी है। डेटा संप्रभुता और एआई में अग्रणी बनने की सरकारी महत्वाकांक्षाएं भी इस विस्तार को बल दे रही हैं। यह बूम विनिर्माण क्षेत्र (टर्बाइन, केबल, ट्रांसफॉर्मर निर्माता) और निर्माण क्षेत्र के लिए भी अपार संभावनाएं खोल रहा है। कमिंस जैसे डीजल जेनसेट निर्माता पहले से ही डीसी से 30-35 फीसदी घरेलू राजस्व कमा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण, डेटा सेंटर इंजीनियरों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और डीसीआईएम ऑपरेटरों सहित हजारों कुशल रोजगार पैदा करेंगे, जिससे बेरोजगारी संकट को कम करने में मदद मिलेगी। राज्य इन केंद्रों को आकर्षित करने के लिए होड़ कर रहे हैं, जो डिजिटल इंडिया के भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

# अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल के भाव तय करेंगे सोने-चांदी की दिशा

**नई दिल्ली ।**

इस सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है, जिसके अनुसार निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता और ऊर्जा बाजारों पर इन वार्ताओं का सीधा असर पड़ेगा। स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता पर बाजार की पैनी नजर रहेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के अधिकारियों के साथ तनाव कम करने के उद्देश्य से बातचीत का नेतृत्व करेंगे। जानकारों का कहना है कि इन वार्ताओं का परिणाम निवेशकों के जोखिम लेने के रवैये और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा असर डालेगा, जिसका सीधा प्रभाव बहुमूल्य धातुओं पर दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू जिंस बाजार में मजबूत रुपये और घटती मांग के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 2.2 फीसदी गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 5.3 फीसदी की गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार के`` विश्लेषकों ने कहा कि गिरती ऊर्जा कीमतें, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त नीतिगत रुख ने सोने पर दबाव डाला। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, हालांकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने कुछ हद तक सोने को सहारा दिया। उनका कहना है `` कि बहुमूल्य धातुओं का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में है, क्योंकि बाजार विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति सहित अमेरिका-ईरान वार्ता के घटनाक्रम पर केंद्रित है।

भारत की हार से निराश हैं कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं-

# दुर्भाग्य से हम कुछ मौके नहीं भुना सके

**मैनचेस्टर, एजेंसी।** महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मैच में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार के बाद फील्डिंग में चूके मौकों पर अफसोस जताया है। हालांकि, अभी भारत के पास लीग स्टेज में दो मैच शेष हैं। ऐसे में कप्तान ने सकारात्मक बने रहने पर जोर दिया है।

## भारत की फिल्डिंग नहीं रही अच्छी

158/7 के स्कोर का बचाव करते हुए भारत की फील्डिंग अच्छी नहीं रही। ताजमिन ब्रिट्ज का कैच 18 रन पर छूटा, जबकि मारिजाने को सब्स्टिट्यूट फील्डर राधा यादव ने 25 और 65 रन पर दो बार जीवनदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारत की फील्ड प्लेसमेंट का बखूबी फायदा उठाया और आसानी से बाउंड्री लगाई। मारिजाने ने 81 रन पर नाबाद रहते हुए साउथ अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

## मौके नहीं भुना सके

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें बीच में कुछ मौके मिले, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें भुना नहीं सके। हालांकि, मुझे अभी भी लगता है कि हमारे दो मैच शेष हैं, और यही समय है सकारात्मक रहने और उन मुकाबलों के बारे में सोचने का। हम हमेशा बात करते हैं कि इस स्तर पर मौकों को भुनाना कितना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से किस्मत हमारे साथ नहीं थी।'

### भारत के दो मैच बाकी

भारतीय टीम 25 जून को बांग्लादेश को चुनौती देगी, जिसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अभी भी हमारे दो मैच शेष हैं। अब उन मुकाबलों के बारे में सोचने का समय है। अगले मैच के लिए हमारे पास अभी भी दो-तीन दिन हैं। हम बैठकर सोचेंगे कि क्या करना है और उसी हिसाब से अपनी प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।'

### श्री चरणी-शेफाली की तारीफ

इस मैच में श्री चरणी ने चार ओवरों में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने चार ओवरों में 22 रन देकर एक विकेट निकाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि श्री चरणी और शेफाली ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। वे चुनौतियां पैदा कर रही थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बाकी गेंदबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।'

### मारिजाने की मैच जिताऊ पारी

हरमनप्रीत ने मारिजाने की मैच जिताऊ नाबाद 81 रन की पारी की अहमियत को मानते हुए कहा, 'वह शानदार खेलीं। उन्होंने हमसे मैच छीन लिया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दो अहम मौके भी दिए, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मुझे लगता है कि इस स्तर पर जब आप ऐसे मौके गंवाते हैं, तो कोई भी आपको आसानी से कुछ नहीं देता।

### स्पिनर्स को लेकर बोलीं कप्तान

स्पिनर्स के ज्यादा इस्तेमाल पर हरमनप्रीत ने कहा, 'जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो गेंद थोड़ी टर्न हो रही थी। अगर आप अपने फिंगर स्पिनर्स का सही इस्तेमाल करते हैं, तो मुझे लगता है कि शेफाली और श्री चरणी ने बहुत अच्छा काम किया। दूसरे स्पिनर्स को भी सोचना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, खासकर ऐसी पिचों पर।'

इंग्लैंड को डबल झटका

# न्यूज़ीलैंड से हार के बाद क्यों चला आईसीसी का चाबुक

ओवल (एजेंसी)। ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 253 रन की करारी हार के बाद इंग्लैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काट दिए हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भी लगाया गया है। आईसीसी के इस फैसले ने इंग्लैंड की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अंक कटने के बाद टीम के कुल अंक घटकर 38 रह गए हैं, जबकि उसका अंक प्रतिशत 34.72 से गिरकर 26.38 हो गया है। इसके बावजूद इंग्लैंड फिलहाल सातवें स्थान पर बना हुआ है।

### क्यों मिली सजा?

आईसीसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, समय भत्ते को ध्यान में रखने के बाद इंग्लैंड निर्धारित लक्ष्य से 12 ओवर पीछे पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े मामलों में खिलाड़ियों पर प्रति ओवर पांच प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। चूंकि इंग्लैंड 12 ओवर पीछे था, इसलिए अधिकतम सीमा के अनुसार खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नियम 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। इसी आधार पर इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक घटा दिए गए।

### हेनरी ने इंग्लैंड को किया धराशायी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट जीता था, लेकिन दूसरे टेस्ट में कीवी टीम ने जोरदार वापसी की। 463 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम अंतिम दिन 182/5 से आगे खेलने उतरी थी, लेकिन तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। हेनरी ने पारी में 6/29 विकेट लिए और मैच में कुल 11/109 विकेट अपने नाम किए। यह इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन है। साथ ही 35 टेस्ट के करियर में यह हेनरी का पहला 10 विकेट वाला मैच भी रहा।

### जो रूट ने स्वीकार की गलती

मैच में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे जो रूट ने आरोप स्वीकार कर लिया। उन्होंने प्रस्तावित सजा को भी मान लिया, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह सजा सुनाई। ऑन-फील्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर रॉड टकर तथा चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर यह आरोप लगाया था।न्यूजीलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक भी रही। इंग्लैंड दौरे के 95 साल के इतिहास में यह उसकी सिर्फ सातवीं टेस्ट जीत है। वहीं ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड की यह दूसरी जीत रही। इससे पहले उसने 1999 में यहां जीत दर्ज की थी।सीरीज का तीसरा और निर्णायक टेस्ट गुरुवार से नॉटिंघम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स टीम में लौट आए हैं और वह फिर कप्तानी संभालेंगे। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है।

# लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी संभालेंगी जिम्मेदारी

**फुलरटन, एजेंसी।** अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

### सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका

मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे।भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है।

# रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

**लॉस एंजिलिस, एजेंसी।** फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

### बेल्जियम का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

### ईरान ने भी बनाए मौके

रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरी ईरानी टीम ने जवाबी हमलों में बेल्जियम को परेशान किया। पहले हाफ में मेहदी तारेमी ने शानदार मूव पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया था, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल रद्द कर दिया गया। कप्तान तारेमी और हुसैन कनानी ने भी बेल्जियम की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

### रेड कार्ड ने बदला मैच का रुख

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड

कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

### अतिरिक्त खिलाड़ी का फायदा नहीं उठा सका ईरान

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया।

### ग्रुप-जी में बढ़ा रोमांच

दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

# हम रोनाल्डो को नहीं, सही खिलाड़ी को पास देते हैं

**न्यूयॉर्क।** फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी के बाद टीम और खासकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। कई फुटबॉल विशेषज्ञों और प्रशंसकों का मानना है कि 41 वर्षीय रोनाल्डो की सीमित गतिशीलता पुर्तगाल के आक्रमण को प्रभावित कर रही है। हालांकि, टीम के युवा विंगर फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए रोनाल्डो का खुलकर बचाव किया है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी केवल रोनाल्डो को गेंद देने के दबाव में नहीं खेलते और मैदान पर हमेशा उसी खिलाड़ी को पास देते हैं जो बेहतर स्थिति में होता है। उज्बेकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले कॉन्सेसाओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें ऐसा महसूस नहीं होता कि हमें हर हाल में रोनाल्डो को गेंद देनी है। मैं गेंद उसी खिलाड़ी को पास करता हूं जो मुझे सबसे बेहतर स्थिति में और बिना मार्किंग के नजर आता है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब पुर्तगाल के खेल को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं और रोनाल्डो की भूमिका पर लगातार बहस हो रही है। कॉन्सेसाओ ने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रेसिंग रूम में रोनाल्डो को किसी अलग श्रेणी में नहीं देखा जाता। उनके अनुसार टीम की सफलता सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'क्रिस्टियानो टीम के एक सदस्य हैं।

# बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी ! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस'

**दांबुला, एजेंसी।** क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

### वैभव ने फाइनल में दिखाया दम

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

### फाइनल में बल्ले से दिया जवाब

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर के क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

### बड़े मैचों में अलग रूप दिखाते हैं

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और ज्यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया। यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

### आईपीएल में भी छोड़ी अमिट छाप

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

### प्रेशर इज अ प्रिविलेज' को जी रहे हैं

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, 'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं। हर बार जब वह बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

### भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता।शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

**मिथुन** — का की कू घ ड छ के को हा
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

## काकुरो पहेली - 3926

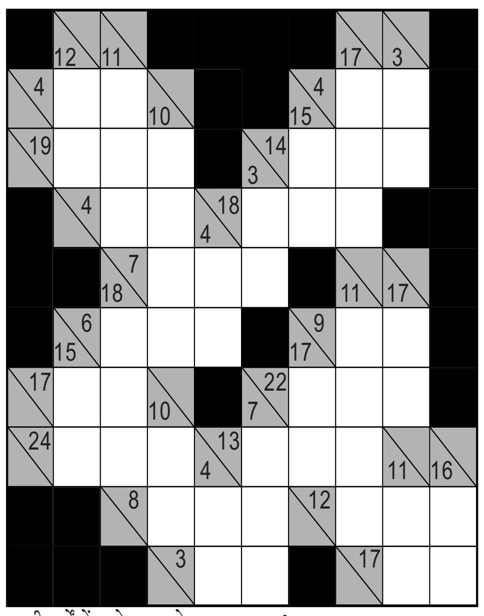

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

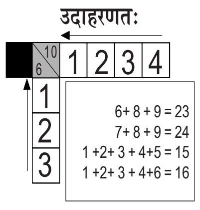

6+ 8 + 9 = 23
7+ 8 + 9 = 24
1 +2+ 3 + 4+5 = 15
1 +2+ 3 + 4+6 = 16

**काकुरो - 3925 का हल**

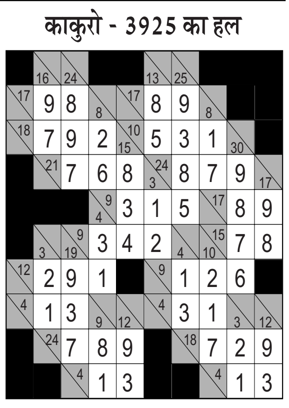

## हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

## फिल्म वर्ग पहेली- 3926

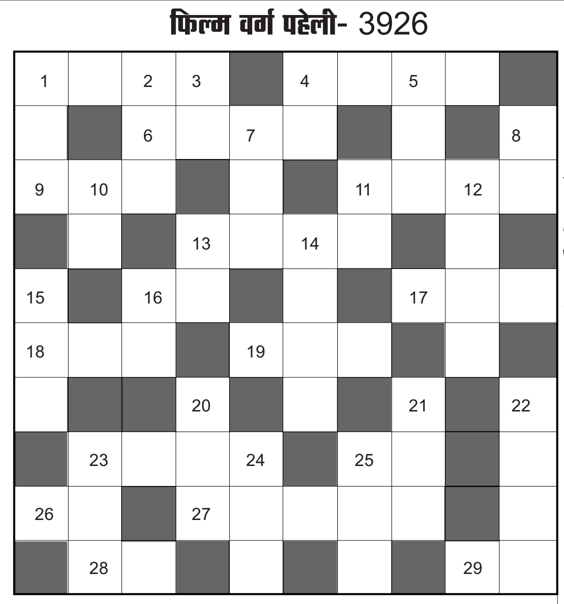

**बायें से दायें:-**

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

**फिल्म वर्ग पहेली- 3925**

## सूडोकु -3926

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 6 | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 2 | | | | 9 | | 7 | |
| 4 | | | 1 | 6 | | | | 2 |
| | | 8 | | | 2 | | 3 | |
| 1 | | 4 | | | | 2 | | 5 |
| | 3 | | 5 | | | 8 | | |
| 7 | | | | 9 | 5 | | | 3 |
| | 8 | | 6 | | | | 4 | |
| 6 | | 2 | | 7 | | 5 | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3925 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली -3926

**बाएँ से दाएँ**

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

**ऊपर से नीचे**

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

**शब्द पहेली -3925 का हल**

## रेसिपी

### आलू कचौड़ी

**सामग्री**

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

**विधि**

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

### हॉट एंड सॉर सूप

**सामग्री**

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दूकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

**विधि**

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरूम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।


# RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

**RASHTRIYA SHIKHAR**
**NATIONAL HINDI DAILY**

**DISPLAY B&W**
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

**DISPLAY COLOR**
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

**CLASSIFIED DISPLAY**
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

**CLASSIFIED** Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

**Special Page / Position Premium**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Front Page (Semi) | - | 50% | Island Position | - | 50% | Strip Advt. | - | 15% |
| Front Page (Solus) | - | 75% | Right Hand Page | - | 10% | Political Advt. | - | 50% |
| Back Page | - | 25% | Top of AD Column | - | 15% | Pull Outs | - | 50% |
| Page Three | - | 20% | Any Other Spl. Position | - | 10% | Discount as per deal | | |

**Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.**

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

# दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। हालिया रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुजुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

# 'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

**मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं।**

हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।'' तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।'' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।'' इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।'' इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, ''इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।''

बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक सचिन-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

# 'जेलर 2' में होगा ऋतिक रोशन का धमाकेदार कैमियो

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

### 40 साल बाद साथ नजर आएंगे ऋतिक और रजनीकांत

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

# कल्कि 2898 एडी से दीपिका के अलग होने के बाद आलिया की एंट्री

बॉलीवुड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद आलिया भट्ट की इसमें एंट्री हुई है। आलिया के किरदार को लेकर भी तमाम अटकलें लग रही हैं।

अभी तक फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने आलिया भट्ट के नाम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि आलिया भट्ट फिल्म में वैष्णो देवी का किरदार निभा सकती हैं। वह फिल्म में सुमति (दीपिका पादुकोण का किरदार) के बच्चे की रक्षा करेंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट ने नाग अश्विन निर्देशित इस साइंस-फिक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, कुछ सीन्स उन्होंने शूट किए हैं। आलिया के फैंस जरूर इस बात को लेकर खुश है कि वह 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बन रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा है कि फिलहाल आलिया की कास्टिंग को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 'कल्कि 2898 एडी' में दीपिका पादुकोण ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी की केंद्न माना गया था। सीक्वल में भी उसके बड़े विस्तार की उम्मीद थी लेकिन सितंबर 2025 में निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि दीपिका अब फिल्म के दूसरे भाग का हिस्सा नहीं होंगी। मेकर्स ने अपने बयान में कहा था कि आपसी सहमति और काफी विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों ने अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है।

# मैं हमेशा अर्थपूर्ण प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए। अभिनेत्री शहनाज गिल ने कहा, ''अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।'' शहनाज ने कहा, ''मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभव रही है।''

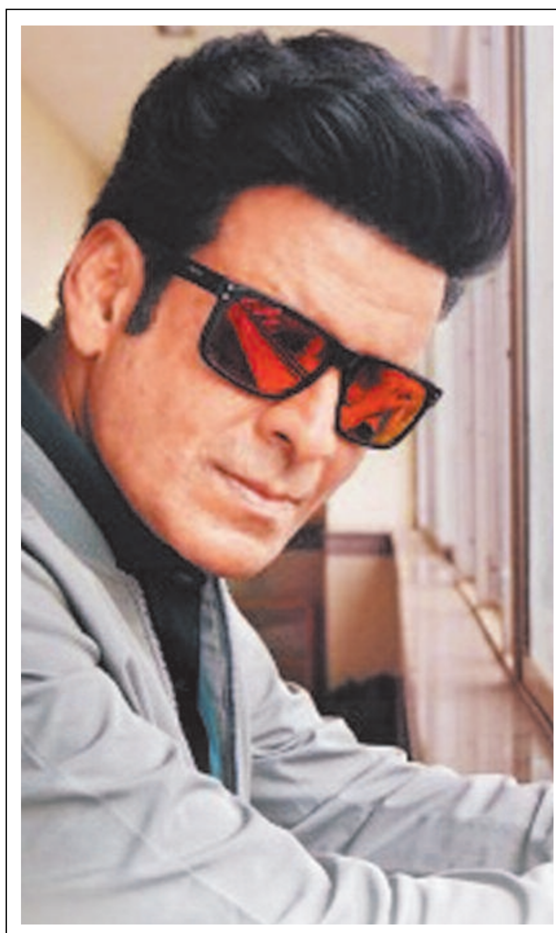

# हॉलीवुड फिल्म मिलना ही बड़ी कामयाबी नहीं

**भारत में अगर किसी कलाकार को छोटा सा भी हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल जाए, तो उसे बड़ी कामयाबी मान लिया जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी की सोच इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि हम आज भी इस सोच से बाहर नहीं निकल पाए हैं कि पश्चिम जो कर रहा है, वही सबसे बेहतर है।**

## हम आज भी कॉलोनियल मानसिकता से बाहर नहीं आए

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'देखिए, वो एक मानसिकता है, जिसका शिकार हम हमेशा से रहे हैं। एक तरह की कॉलोनियल मानसिकता, जिसे हम आज तक पूरी तरह छोड़ नहीं पाए हैं। हमें हमेशा लगता है कि जो वो कर रहे हैं, वही बेहतर है...वही बड़ा है। हम लगातार उसी से मुकाबला करने की कोशिश करते रहते हैं।'

आज इंडस्ट्री में कई कलाकार विदेशी प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मानते हैं। लेकिन मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने कई बार हॉलीवुड के ऑफर ठुकरा दिए, क्योंकि काम उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, 'बहुत बार हुआ है। अच्छे रोल्स नहीं आते हैं। और जब अच्छी फिल्में नहीं बन रही होती हैं, तो उसी तरह के लोग संपर्क करते हैं जो वहां भी बहुत अच्छा नहीं कर रहे होते। कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में बात बनते-बनते रह गई, लेकिन उसके बारे में क्या बात करनी।'

### अगर कभी किताब लिखी, तो इसी पर लिखूंगा

मनोज बाजपेयी का कहना है कि अगर कभी उन्हें कुछ गंभीरता से लिखने का मौका मिला, तो वह भारतीय कलाकारों पर हॉलीवुड के असर को ही विषय बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कभी शिद्दत के साथ कुछ लिखना चाहूंगा, तो मैं इस बात पर लिखना चाहूंगा कि एक भारतीय अभिनेता कैसे पूरी तरह अमेरिकी या हॉलीवुड से प्रभावित एक्टिंग के असर से बच सकता है। क्योंकि हमारे यहां जो गंभीर क्रिटिक्स हैं, वो भी अक्सर अच्छी एक्टिंग का रेफरेंस हॉलीवुड को ही मानते हैं। जैसे अच्छी एक्टिंग का एक ही पैमाना हो। लेकिन ऐसा नहीं है। एक्टिंग के बहुत सारे रास्ते हैं... बहुत सारे ट्रैक हैं, और उनमें से किसी एक को ही अंतिम सच नहीं माना जा सकता।'

### हमारे यहां एक्टिंग को लेकर सोच गलत है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि भारत में अक्सर अंग्रेजी फिल्मों जैसी एक्टिंग को ही अच्छा अभिनय समझ लिया जाता है, जबकि यहां के लोगों का तरीका और व्यवहार बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरी दिक्कत ये है कि एक्टिंग के नाम पर ज्यादातर लोग अंग्रेजी फिल्मों में जो देखते हैं, उसी को अच्छी एक्टिंग मान लेते हैं। लेकिन भारतीय अभिनय इसलिए अलग है क्योंकि यहां के लोगों के एक्सप्रेशन अलग हैं, बातचीत करने का तरीका अलग है, व्यवहार अलग है।'

## मेरी फिल्मों में आपको हिंदुस्तानी आदमी दिखेगा

मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि उनके किरदार पूरी तरह भारतीय लगें, किसी विदेशी स्टाइल की कॉपी नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं लगातार इसी सोच पर काम करता रहा हूं। इसलिए अगर आप मेरी ज्यादातर फिल्में देखेंगे, तो आपको उनमें एक हिंदुस्तानी आदमी दिखाई देगा। वो ऐसा बिल्कुल नहीं लगेगा कि किसी और देश का किरदार निभाया जा रहा है और सिर्फ उसका नाम भारतीय रख दिया गया है। इसी वजह से 'सत्या', 'शूल' या खासकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्में इतनी खास हैं। ये बहुत खालिस भारतीय फिल्में हैं। उनके किरदार, उनके परफॉर्मेंस, उनकी भाषा, उनका व्यवहार- सब कुछ भारतीय समाज से निकलकर आता है। जब भी आप इस तरह की फिल्म बनाएंगे, तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी, क्योंकि उसमें अपनी अलग पहचान होगी।'

## नए एक्टर्स को मनोज की सलाह

नई पीढ़ी के कलाकारों को मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि एक्टिंग सीखने के लिए बाहर देखने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले अपने आसपास के लोगों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। बेसिक ग्रामर तो आप सीख सकते हैं। उसके लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत भी नहीं है। बस अपने आसपास के लोगों को देखिए, अपनी जिंदगी को देखिए। कोई भी आदमी यहां हॉलीवुड के किसी एक्टर या एक्ट्रेस की तरह बात नहीं करता। यही सबसे बुनियादी बात है। आप जिस परिवार से आते हैं, जिन लोगों के बीच बड़े हुए हैं, उनका व्यवहार देखिए। लोग एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं।'

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रम्प ने अपना नया विमान 'एयरफोर्स-1' दिखाया

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को नया एयरफोर्स वन विमान दिखाया। यह विमान पहले कतर सरकार के पास था। पिछले साल मई में कतर ने बोइंग 747 का यह आधुनिक मॉडल ट्रम्प को उपहार में दिया था। बाद में इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान के रूप में तैयार किया गया। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रयूज में ट्रम्प ने इस विमान को दुनिया का सबसे शानदार राष्ट्रपति विमान बताया। उन्होंने कहा, 'इस विमान को उड़ते हुए व्हाइट हाउस की तरह बनाया गया है। इतनी लग्जरी शायद दुनिया ने पहले कभी नहीं देखी होगी।' नए विमान का रंग-रूप मौजूदा एयर फोर्स वन से पूरी तरह अलग है। पुराने विमान के हल्के नीले रंग की जगह इसके निचले हिस्से को गहरे नेवी ब्लू रंग से रंगा गया है, जबकि उसके ऊपर लाल पट्टी बनाई गई है। विमान के उस हिस्से पर, जहां से राष्ट्रपति चढ़ते हैं, राष्ट्रपति की आधिकारिक मुहर लगाई गई है। वहीं पिछले हिस्से पर अमेरिकी झंडा बनाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि जब यह प्लेन लंदन, जर्मनी या दुनिया के किसी अन्य एयरपोर्ट पर उतरेगा तो कोई भी इसकी बराबरी नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारे देश का प्रतिनिधित्व इसी तरह होना चाहिए। रंग और डिजाइन मेरी पसंद के हैं, यह मैं मानता हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि नया एयर फोर्स वन अगले महीने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान फ्लाईपास्ट करेगा।

### अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दो... इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का ट्रंप पर तीखा पलटवार

**रोम, एजेंसी।** इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को ट्रंप ने फोटो लेने वाले दावे को फिर से दोहराया। ट्रंप के दावे पर मेलोनी भी शांत नहीं बैठी, पलटवार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर फिर से पोस्ट किया और लिखा कि फ्रांस में ज-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए कहा। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है। मेलोनी ने अपने पोस्ट में ट्रंप पर पलटवार करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप, ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले बेमतलब हैं। जहां तक मेरी लोकप्रियता की बात है, तो आपका दोस्त होने से इसमें कोई मदद नहीं मिली है और न ही यह आपके साथ मेरे रिश्तों पर निर्भर करती है। मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है। इटली में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के मामले में मैंने यही किया। उनके इस्तेमाल से जुड़े समझौतों का हमने हमेशा सम्मान किया है, और जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, उनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें। फ्रांस में जी-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ तस्वीर खिंचवाने की गुजारिश की। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है, शायद इसलिए क्योंकि जब ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने या बनाने से रोकने की बात आई, तो उन्होंने अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने हमें इटली के लैंडिंग स्ट्रिप्स या रनवे का इस्तेमाल भी नहीं करने दिया, जिससे बहुत बड़ी लॉजिस्टिकल दिक्कत हुई। ट्रंप ने आगे लिखा, यह तब हुआ जब अमेरिका इटली और दूसरे तथाकथित ङ्गअङ्ग सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करता है। अब जब अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है, तो वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए फिर से दोस्ती करना चाहती हैं।

### जासूसी में फ्रांस ने बंद किए चीन के नौ गुप्त केंद्र, दो लोग निष्कासित

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस ने देश में संचालित चीन के नौ गुप्त केंद्रों को बंद कर दिया है। फ्रांसीसी अधिकारियों का आरोप है कि ये केंद्र सांस्कृतिक, सामुदायिक और व्यावसायिक संगठनों की आड़ में काम कर रहे थे और चीन सरकार के आलोचकों तथा प्रवासी चीनी नागरिकों पर नजर रखने का काम करते थे। मामले में तीन लोगों की पहचान की गई है, जिन पर इस नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। इनमें से दो को फ्रांस से निष्कासित कर दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की खुफिया एजेंसियों ने जांच के बाद इन केंद्रों का पता लगाया। इनमें से अधिकांश पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में संचालित हो रहे थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि ये केंद्र चीन की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के अनौपचारिक विस्तार के रूप में काम कर रहे थे। जांच तब तेज हुई जब वर्ष 2024 में चीन के एक असंतुष्ट नागरिक लिंग हुआझान को जबरन चीन भेजने की कोशिश की गई। फ्रांसीसी पुलिस ने इस प्रयास को विफल कर दिया था।

# ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दे सकते हैं इस्तीफा, क्यों आई नौबत, कौन बनेगा अगला प्रधानमंत्री?

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में जारी गहरे राजनीतिक गतिरोध के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की संभावना है। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में वरिष्ठ लेबर पार्टी के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। हालांकि, सरकारी सूत्रों का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी भी सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों पर केंद्रित है।

आपको बता दें कि पिछले कई महीनों से प्रधानमंत्री स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी के भीतर ही असंतोष पनप रहा था, जो शुक्रवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव में संसद की सीट जीत ली। इस जीत के बाद बर्नहैम के लिए स्टार्मर के खिलाफ औपचारिक रूप से नेतृत्व की चुनौती पेश करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री स्टार्मर इस समय अपने आधिकारिक ग्रामीण निवास चेकर्स में हैं और कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले अपनी पत्नी के साथ इस विषय पर गहन चर्चा कर रहे हैं। लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को उम्मीद है कि सोमवार तक उनके भविष्य को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, चंदा देने वाले दानदाताओं और ट्रेड यूनियन के नेताओं से बातचीत के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के लिए उनकी स्थिति अब व्यावहारिक नहीं रह गई है। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को स्टार्मर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वे अपनी लीडरशिप के खिलाफ किसी भी चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने लेबर पार्टी से गुटबाजी और आपसी कलह में न उलझने की अपील भी की थी। रिकॉर्ड गिरावट पर पहुंची कीर स्टार्मर की लोकप्रियता साल 2024 के आम चुनाव में वाम-झुकाव वाली लेबर पार्टी को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले कीर स्टार्मर बहुत कम समय में बेहद अलोकप्रिय हो चुके हैं। सरकार के कई घोटालों, विवादों और अपनी ही नीतियों से बार-बार पीछे हटने के कारण मतदाताओं में यह संदेश गया है कि स्टार्मर जनता के जीवन स्तर को सुधारने के अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

रॉयटर्स के आंकड़ों के मुताबिक, लेबर पार्टी के ही 100 से अधिक निर्वाचित सांसद सार्वजनिक रूप से स्टार्मर के इस्तीफे या उनके हटने का शेड्यूल तय करने की मांग कर चुके हैं। यदि स्टार्मर इस्तीफा देते हैं या उन्हें पद से हटाया जाता है तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में अपना सातवां प्रधानमंत्री मिलेगा। सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली और अवैध अप्रवासन जैसी समस्याओं से जूझ रहे ब्रिटिश इतिहास में यह पिछले दो सौ वर्षों में सबसे कम समय में सबसे अधिक प्रधानमंत्री बदलने का रिकॉर्ड होगा।

**कतार में हैं एंडी बर्नहैम और वेस स्ट्रीटिंग :** 56 वर्षीय एंडी बर्नहैम को लेबर पार्टी में स्टार्मर के सबसे मजबूत उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। उत्तरी इंग्लैंड में ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर के रूप में अपनी मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बर्नहैम ने शुक्रवार को मेकरफील्ड उपचुनाव में दक्षिणपंथी लोकलुभावन नेता नाइजेल फराज की 'रिफॉर्म यूके' पार्टी को करारी शिकस्त देकर संसद में वापसी की है।

बर्नहैम ने अभी तक सीधे स्टार्मर को चुनौती नहीं दी है, लेकिन अपने विजय भाषण में उन्होंने देश के लिए एक नए रास्ते का वादा किया है। उनके समर्थकों ने स्टार्मर से गरिमा के साथ खुद पद छोड़कर सत्ता सौंपने की अपील की है। 'द टाइम्स' अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि बर्नहैम देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे सबसे पहले वित्त मंत्री राहेल रीव्स को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि बर्नहैम के सलाहकारों का मानना है कि रीव्स की नीतियां देश में जरूरी बदलाव लाने के अनुकूल नहीं हैं।

### ईरान ने फिर होर्मुज स्ट्रेट बंद किया, लेबनान में इजराइली हमलों के जवाब में उठाया कदम

**दुबई, एजेंसी।** लेबनान में इजराइल के लगातार हमलों से ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर ग्रहण लग सकता है. इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया है. ईरानी सेना ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की 'बदनीयती' और युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन के कारण उठाया गया है. ईरानी सेना ने सरकारी टेलीविजन पर दिए गए बयान में चेतावनी भी दी, 'अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है.' ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शनिवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और जहाजों को जलडमरूमध्य के पास न जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है. एक बयान में, ङ्गऋ नेवी ने लेबनान में इजराइल के हमले और अमेरिका द्वारा युद्धविराम के अपने वादे तोड़ने को इस अहम जलमार्ग को बंद करने का कारण बताया. गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाजों और तेल टैंकरों ने महत्वपूर्ण चोक पॉइंट होर्मुज से गुजरना शुरू कर दिया था. इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं।

### बांग्लादेश में हिंदुओं का विरोध प्रदर्शन: ढाका में गूंजे 'जय श्री राम' के नारे, सड़कों पर उतरे लोग

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। राजधानी ढाका में शुक्रवार को हजारों हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान और एक प्रस्तावित विशाल राम मूर्ति परियोजना को रोके जाने के विरोध में प्रदर्शन किया।

**ढाका में निकाला गया मशाल जुलूस :** हिंदू संगठनों के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ढाका के शाहबाग क्षेत्र में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकाला और विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च करते हुए पहुंचे, जहां मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया गया।

**क्या है विवाद का कारण :** प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा क्षेत्र में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया था। उनका कहना है कि मामले में शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे समुदाय में नाराजगी बढ़ी है।

**राम मूर्ति परियोजना क्यों चर्चा में है :** उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में एक मंदिर परिसर में 81 फीट ऊंची भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण प्रस्तावित था। परियोजना से जुड़े लोगों का दावा है कि विरोध और कथित धमकियों के कारण निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस परियोजना में भगवान कृष्ण और भगवान शिव की बड़ी प्रतिमाएं भी प्रस्तावित बताई गई हैं। हिंदू संगठन ने सरकार से कथित अपमान मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और मूर्ति निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने की मांग की है। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक सौहार्द और विश्वास कायम रह सके।

## पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज; क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला?

**वारसॉ, एजेंसी।** पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम 'यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी' (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

**2023 में जेलेंस्की को मिला था सम्मान :** यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों की एक इकाई का नाम यूपीए के नाम पर रखा था। यूपीए 1940 और 1950 के दशक में सक्रिय संगठन था, जिस पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

**'यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम' :** राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति 'अमित्र व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए करेगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की 'रणनीतिक गलती' बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है।

## शहीद बच्चों की कसम लेकर अमेरिका से बातचीत करने पहुंचे गालिबाफ; स्विट्जरलैंड में होगी पहली बैठक

**ज्यूरिख, एजेंसी।** ईरानी संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाली तकनीकी वार्ता से पहले मिनाब स्कूल घटना के पीड़ितों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानी वॉशिंगटन के साथ होने वाली बातचीत के दौरान इस्लामी गणराज्य ईरान के कदमों का मार्गदर्शन करेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में शत्रुता समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की जा रही है।

**'मिनाब के शहीद बच्चों की याद के साथ वार्ता में पहुंचे गालिबाफ' :** एक्स पर किए गए एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि वह और ईरानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता की तैयारी करते समय मिनाब के बच्चों और अन्य ईरानी शहीदों की स्मृतियों को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं मिनाब के निर्दोष बच्चों और प्रिय ईरान के सभी शहीदों को अपना हर कार्य और व्यवहार हर पल देखते हुए महसूस करता हूं। वे हमें देख रहे हैं और हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। ईश्वर न करे कि मैं कभी निर्दोष शहीदों और ईरान की जनता को शर्मिंदा करूं। उन्होंने पोस्ट में 'मिनाब168' हैशटैग का उपयोग किया और संदेश को मिनाब स्कूल के बच्चों की स्मृति को समर्पित किया। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब ईरान का प्रतिनिधिमंडल समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका के साथ पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड पहुंचा है। 'समझौते के बाद पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख पहुंचा प्रतिनिधिमंडल' ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबाफ कर रहे हैं। इसमें विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिवालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपप्रमुख अली बाघेरी, केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती, उप तेल मंत्री और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के अध्यक्ष हमीद बोर्डे, उप विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी तथा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई समेत कई अधिकारी शामिल हैं।

अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लागू करने की समीक्षा पर रहेगा फोकस' प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अमेरिका द्वारा कूटनीतिक समझ के तहत किए गए वादों को लागू करने की समीक्षा और अनुवर्ती कार्रवाई के उद्देश्य से की जा रही है। वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि प्रस्थान से पहले वार्ता का मुख्य फोकस पहले से तय प्रतिबद्धताओं के पालन को सुनिश्चित करना होगा। ङ्कक्रङ्गक्क के अनुसार, बघाई ने कहा, 'हर समझौते और सहमति की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके क्रियान्वयन का समय आता है। वादाखिलाफी के पुराने अनुभवों से सतर्क है ईरान' उन्होंने आगे कहा कि ईरान दूसरी तरफ से होने वाले अनुपालन पर कड़ी नजर रखेगा और अतीत में वादे पूरे न होने के अनुभवों को ध्यान में रखेगा। इस्माइल बघाई ने कहा, 'दूसरे पक्ष द्वारा वादाखिलाफी के हमारे अनुभव को देखते हुए, हमें उनकी प्रतिबद्धताओं की पूर्ति को गंभीरता से आगे बढ़ाना होगा।' 'स्विट्जरलैंड ने वार्ता प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत' प्रतिनिधिमंडल के स्विट्जरलैंड पहुंचने के बाद वहां के विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान, फिर चीन का सफर; भारत ने भी दिया है न्योता

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान अपनी विदेश नीति को चुनते हुए दिख रहे हैं। आम तौर पर बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद पर निर्वाचित होने वाला व्यक्ति पहली विदेश यात्रा के लिए भारत या चीन का दौरा करता है। लेकिन महीनों से इस पहेली का हल खोज रहे तारिक रहमान ने अपना रास्ता चुन लिया है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे। फिर वहाँ से वह चार दिवसीय चीन दौरे पर जाएंगे। यहां वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात करेंगे। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री तारिक रहमान रविवार को मलेशिया के लिए रवाना होंगे। यहाँ दो दिन तक उनके कार्यक्रम चलेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच में व्यापार, निवेश, एनर्जी सेमीकंडक्टर को लेकर चर्चा तेज होगी। दो दिवसीय दौरे को पूरा करने के बाद रहमान चार दिवसीय चीन यात्रा पर जाएंगे। यहां पर वह विश्व आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से बातचीत करेंगे।

**तीस्ता नदी के प्रोजेक्ट पर हो सकता है फैसला :** प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा को लेकर बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय की तरफ से भी जानकारी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के सचिव असद आलम सियाम के मुताबिक चीन और बांग्लादेश के बीच इस यात्रा के दौरान 17 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद हैं। इसमें तीस्ता नदी के मैनेजमेंट, ड्रेजिंग सिस्टम और तटबंध को लेकर भी चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह को भी विकसित करने पर बात होगी। बता दें, शेख हसीना के समय तीस्ता नदी के मैनेजमेंट के लिए भारत सरकार और तत्कालीन बांग्लादेश सरकार में एक सहमति बन गई थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह डील भी ठंडे बस्ते में चली गई। चूंकि तीस्ता नदी परियोजना भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक है। ऐसे में भारत की भी इस पर नजर रहती है। अब अगर चीन इसके करीब आता है, तो यह भारत के लिए परेशानी की बात होगी।

**भारत ने दिया था न्योता, लेकिन बांग्लादेश की 'न' :** शेख हसीना से मजबूत संबंधों और भारत में उनकी मौजूदगी से दोनों देशों के बीच में संबंध तनाव पूर्ण हैं। हालांकि, जब आम चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी जीतकर आई तो प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक पहल करते हुए सबसे पहले तारिक रहमान को बधाई दी। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी भेजा गया। यहां पर रहमान को भारत आने का न्योता भी दिया गया। लेकिन रहमान ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत के पड़ोसी देशों में आम तौर पर यह प्रवृत्ति पाई जाती है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई भी व्यक्ति पहले भारत या चीन की यात्रा करता है।

### बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान, यूनिसॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिसॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा।

16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया। ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

**क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की निंदा :** बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हुडा जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबो बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है।

# क्यूबा पर हमले की चर्चा तेज, ट्रंप बोले- वहां की प्रॉपर्टी है शानदार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपने बयानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई और बड़ी बहस छेड़ दी है। एक्सियोस को दिए एक खास इंटरव्यू में ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बहुत ही सख्त और कड़े सैन्य कदम उठाने के स्पष्ट संकेत पूरी दुनिया को दिए हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला की तरह ही कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया कि यह बिल्कुल संभव है। उनके इस 'संभव है' वाले एक छोटे से बयान ने ही विश्व भर के बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों और कूटनीतिक हलकों में भारी खलबली मचाने का काम कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस अहम इंटरव्यू में वेनेजुएला और क्यूबा के बीच के एक बहुत ही बड़े और मुख्य अंतर को भी सभी के सामने स्पष्ट किया है। ट्रंप के मुताबिक वेनेजुएला के पास तेल का विशाल भंडार मौजूद है, जबकि क्यूबा के पास प्राकृतिक तेल का कोई भी बड़ा भंडार बिल्कुल नहीं है। ट्रंप ने विशेष रूप से यह भी जोर देकर कहा कि क्यूबा के पास बहुत ही खूबसूरत समुद्री तट और बेहतरीन प्रॉपर्टी हैं जो उसे खास बनाते हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में उनके इस संपत्ति वाले विवादित बयान को लेकर काफी लंबी और तीखी बहस भी अब पूरी तरह से शुरू हो चुकी है।

**क्यूबा अमेरिका के बिल्कुल पड़ोस में :** ट्रंप ने आगे अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि क्यूबा भौगोलिक दृष्टि से अमेरिका के बहुत ही करीब स्थित है जबकि ईरान काफी दूर है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के नजदीक है और क्यूबा तो हमारे बिल्कुल पड़ोस में ही बसा हुआ एक बहुत अहम देश है। उनके इस नजदीकी वाले बयान को कई रक्षा विश्लेषक भविष्य में किसी संभावित बड़ी सैन्य कार्रवाई की ओर एक सीधा और बहुत स्पष्ट इशारा मान रहे हैं।

**ट्रंप प्रशासन और क्यूबा में बढ़ा तनाव :** हाल के कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन और हवाना सरकार के बीच कूटनीतिक तनाव लगातार अपने चरम पर पहुंचता हुआ साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। कई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने क्यूबा की गंभीर स्थिति को लेकर कुछ सख्त सैन्य विकल्पों पर भी बहुत गहराई से विचार किया है। हालांकि कुछ वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि फिलहाल क्यूबा पर किसी भी तत्काल सैन्य हमले की कोई ठोस योजना तैयार नहीं है।

**मार्को रुबियो निभाएंगे अहम भूमिका :** इस अहम इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी विशेष रूप से और बहुत ही प्रमुखता के साथ जिक्र किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रुबियो आने वाले समय में क्यूबा के इस पूरे संवेदनशील मामले में एक बहुत ही सक्रिय और अहम भूमिका निभाएंगे। ट्रंप ने यह बड़ा दावा भी किया है कि क्यूबा खुद आगे बढ़कर अमेरिका के साथ इस गंभीर मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करना चाहता है।

**क्यूबा सरकार का अमेरिका पर आरोप :** ट्रंप प्रशासन पहले से ही क्यूबा पर अपना सख्त रुख अपनाता रहा है और हाल ही में हवाना सरकार पर कई कड़े प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। दूसरी ओर क्यूबा की सरकार लगातार यह गंभीर आरोप लगाती रही है कि अमेरिका आर्थिक दबाव डालकर उनके आंतरिक मामलों में भारी दखलंदाजी करना चाहता है। ट्रंप ने हालांकि किसी बड़ी कार्रवाई की कोई समयसीमा नहीं बताई है लेकिन उनके बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि सारे विकल्प खुले हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )